संयम ◆संस्कार ◆संतुलन

R.N.I. No.-UPHIN/2004/22466

वर्ष-22 अंक- 215
पृष्ठ 8
शनिवार
25 अप्रैल 2026
प्रातः संस्करण
हिन्दी दैनिक
प्रयागराज
मूल्य-1.00

# शहर समता

प्रयागराज से प्रकाशित Email : shaharsamta@gmail.com Website : https://Shaharsamta.com

सम्पादक-उमेश चन्द्र श्रीवास्तव

**विविध-** किचन में मिलने वाली ये एक...

**विचार-** अस्थिर विश्व में भारत,अर्थनीति...

**खेल-** जय शाह से लेकर बीसीसीआई तक...

**प्रधानमंत्री मोदी बोले-**

## टीएमसी ने 15 साल में बंगाल की पहचान खत्म की

कोलकाता,एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पश्चिम बंगाल में एक बहुत बड़ा और कड़ा बयान दिया है। उन्होंने साफ कहा है कि आरजी कर अस्पताल में हुए रेप और मर्डर केस की साजिश में शामिल किसी भी रसूखदार या अपराधी को बख्शा नहीं जाएगा। पीएम मोदी ने जनता को भरोसा दिलाया है कि अगले महीने जब राज्य में भाजपा की सरकार बनेगी, तो हर एक अपराधी को खोजकर उसे सजा दी जाएगी। यह खबर बंगाल के उन सभी आम लोगों के लिए बहुत बड़ी उम्मीद है जो लंबे समय से इस दर्दनाक मामले में न्याय की मांग कर रहे हैं। प्रधानमंत्री ने यह बात शुक्रवार को उत्तर 24 परगना जिले के पानीहाटी विधानसभा क्षेत्र में एक विशाल चुनावी रैली के दौरान कही। यह वही पानीहाटी इलाका है जहां अगस्त 2024 में कोलकाता के आरजी कर मेडिकल कॉलेज में जान गंवाने वाली महिला डॉक्टर का

पुराना घर है। इस चुनाव में भाजपा ने उसी पीड़ित महिला डॉक्टर की मां स्वप्ना देबनाथ को इस सीट से अपना उम्मीदवार बनाया है। मोदी ने कहा कि स्वप्ना देबनाथ ने अपनी बेटी को देश की सेवा करने के लिए डॉक्टर बनाने में जीवन भर संघर्ष किया, लेकिन सत्ताधारी पार्टी के कुशासन वाले जंगलराज में उनकी बेटी छिन गई। उन्होंने वादा किया कि 4 मई को चुनाव के नतीजे आने के बाद हर जुल्म का हिसाब होगा। प्रधानमंत्री ने मौजूदा सरकार पर तीखा हमला बोलते हुए कहा कि पिछले 15 वर्षों में इस सरकार ने बंगाल की पहचान को पूरी तरह से नष्ट कर दिया है। राज्य में लगातार घुसपैठियों को लाया जा रहा है और उन्हें यहां बसाया जा रहा है। ये घुसपैठिए बंगाल की जमीनों पर कब्जा कर रहे हैं और यहां के स्थानीय लोगों का रोजगार छीन रहे हैं। एक तरफ सरकार का भारी भ्रष्टाचार है और दूसरी तरफ घुसपैठियों का जुल्म है। इस कारण से बंगाल के युवाओं को नौकरी की तलाश में अपने घर छोड़कर बाहर जाने के लिए मजबूर होना पड़ रहा है। राज्य में कोई नया निवेश नहीं आ रहा है और पुरानी फैक्ट्रियां भी बंद होकर दूसरी जगह जा रही हैं। रैली में पीएम मोदी ने महिलाओं की सुरक्षा और उनके हकों पर खुलकर बात की। उन्होंने कहा कि मौजूदा सरकार के राज में बेटियां बिल्कुल भी सुरक्षित नहीं हैं। लेकिन जब भाजपा की सरकार आएगी, तो कोई भी रेपिस्ट या अपराधी सुरक्षित नहीं बचेगा। महिलाओं को मजबूत बनाने के लिए भाजपा के कार्यकर्ता घर-घर जाकर मातृ शक्ति भरोसा कार्ड बांट रहे हैं। इस कार्ड के जरिए हर बहन को हर महीने 3000 रुपये यानी साल भर में 36,000 रुपये देने का पक्का वादा किया जा रहा है। मोदी ने यह भी याद दिलाया कि कैसे सत्ताधारी पार्टी ने संसद में महिला आरक्षण का विरोध किया था, जबकि पूरा देश चाहता है कि राजनीति में महिलाओं की भागीदारी बढ़े। प्रधानमंत्री ने जादवपुर इलाके की खराब हालत का भी जिक्र किया। उन्होंने कहा कि जादवपुर में विकास को सिंडिकेट ने अपना कैदी बना लिया है। रेत, ईंट और सीमेंट की सप्लाई पर कुछ खास लोगों का कब्जा है। यहां अवैध खनन के मामले बहुत ज्यादा बढ़ गए हैं। जो लोग खुद को जादवपुर का शुभचिंतक कहते हैं, वही लोग जमीनों पर अवैध कब्जा कर रहे हैं। अगर कोई आम आदमी अपनी जमीन पर घर बनाना चाहता है, तो उसे सिंडिकेट को गुंडा टैक्स देना पड़ता है। जादवपुर यूनिवर्सिटी, जिसे पूरी दुनिया में सम्मान मिलता था, आज वहां पढ़ाई की जगह दीवारों पर देश विरोधी बातें लिखी जा रही हैं और छात्रों को सड़क पर प्रदर्शन करना पड़ रहा है। जादवपुर और दक्षिण 24 परगना में रहने वाले दलित और पिछड़े वर्ग के लोगों के बारे में पीएम मोदी ने कहा कि यहां बड़ी संख्या में हमारे ये भाई-बहन रहते हैं। केंद्र सरकार इन वर्गों के लिए बहुत सारी अच्छी योजनाएं चलाती है।

**सीएम योगी बोले-**

## अब धरातल पर उतर रहे कृषि के शोध

लखनऊ,संवाददाता। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ शुक्रवार को लखनऊ में क्षेत्रीय कृषि सम्मेलन (उत्तर क्षेत्र) के शुभारंभ कार्यक्रम में सम्मिलित हुए। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश कृषि उत्पादन के क्षेत्र में उल्लेखनीय प्रगति कर रहा है। यह बदलाव वैज्ञानिक तकनीकों, एग्रो-क्लाइमेटिक जोन आधारित रणनीति तथा केंद्र-राज्य सरकारों के समन्वित प्रयासों का परिणाम है। उन्होंने कहा कि यूपी में "लैब टू लैंड" की अवधारणा धरातल पर उतर चुकी है, जिससे किसानों को सीधे लाभ मिल रहा है। कृषि विकास दर में उल्लेखनीय वृद्धि, प्रति हेक्टेयर उत्पादन में रिकॉर्ड सुधार, बहुफसली खेती का विस्तार और वैल्यू एडिशन पर बढ़ता फोकस इस परिवर्तन के स्पष्ट संकेत हैं। मुख्यमंत्री ने क्षेत्रीय कृषि सम्मेलनों, अंतरराष्ट्रीय कृषि केंद्रों की स्थापना, कृषि विज्ञान केंद्रों के सशक्तीकरण और प्रगतिशील किसानों की भूमिका को इस

बदलाव का प्रमुख आधार बताते हुए कहा कि उत्तर प्रदेश आज देश की कृषि अर्थव्यवस्था को नई दिशा देने की क्षमता रखता है। अपने संबोधन में सीएम योगी ने कहा कि अलग-अलग देशों और क्षेत्रों में भिन्न-भिन्न एग्रो-क्लाइमेटिक जोन होने के कारण नीतियां भी उसी अनुरूप तय की जानी चाहिए। यदि अलग-अलग जोन में इस प्रकार की गोष्ठियां आयोजित की जाएं तो उसके सकारात्मक परिणाम सामने आते हैं। मुख्यमंत्री ने अपने अनुभव साझा करते हुए कहा कि गत वर्ष 'विकसित कृषि अभियान' और 'खेती की बात, खेत में' कार्यक्रम के दौरान उन्हें कई जनपदों में जाने का अवसर मिला, जहां किसानों, कृषि वैज्ञानिकों और कृषि शिक्षा से जुड़े प्रशिक्षुओं में अभूतपूर्व उत्साह व जिज्ञासा देखने को मिली। पहली बार इनोवेशन को सीधे व्यावहारिक धरातल पर उतारने का अवसर मिला है। पहले लैब में होने वाले अनुसंधान को लैंड तक पहुंचने में काफी समय लगता था, लेकिन अब "लैब टू लैंड" की अवधारणा साकार हो चुकी है और तकनीक सीधे खेत तक पहुंच रही है। इस अभिनव पहल के लिए मुख्यमंत्री ने केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि उन्होंने इस अवधारणा को व्यवहारिक रूप से देशभर में लागू करने का महत्वपूर्ण कार्य किया है।

**वित्त मंत्री सीतारमण बोलीं-**

## एआई के खतरों से निपटने के लिए साथ आएंगे बैंक,एसबीआई करेगा अगुवाई

नई दिल्ली,एजेंसी। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने बैंकों के प्रमुखों के साथ एआई से जुड़े जोखिमों पर बैठक के बाद कहा कि भारत के बैंक तेजी से बढ़ते डिजिटलीकरण के कारण अब तक चुनौतियों और साइबर खतरों से निपटने में सक्षम रहे हैं, लेकिन अब उभरती नई तकनीकी चुनौतियों से निपटने के लिए और अधिक मजबूत व बहुआयामी तैयारी की जरूरत है। उन्होंने कहा कि भारत के बैंकिंग तंत्र ने अब तक खुद को सुरक्षित और सक्षम साबित किया है, लेकिन मौजूदा हालात में पारंपरिक सुरक्षा उपाय पर्याप्त नहीं होंगे। वित्त मंत्री ने कहा कि मिथोस नाम से सामने आ रही नई चुनौती को लेकर अभी बहुत अधिक जानकारी उपलब्ध नहीं है, इसलिए इसे गंभीरता से लिया जा रहा है। इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय इस मामले में टेक कंपनियों, विभिन्न नियामक संस्थाओं और दुनिया भर की सरकारों के साथ सक्रिय रूप से संपर्क में है, ताकि यह समझा जा सके कि यह चुनौती किस रूप में सामने आ सकती है और उससे निपटने के लिए कैसी तैयारी जरूरी होगी। सीतारमण ने कहा कि सभी बैंकों को मिलकर काम करने के निर्देश दिए गए हैं। इस समन्वित प्रयास का नेतृत्व एसबीआई के चेयरमैन करेंगे। आने वाले हफ्तों में बैंकों के बीच लगातार बैठकों और विचार-विमर्श का दौर चलेगा।

**अमित शाह बोले-**

## अवैध कब्जों के खिलाफ बड़ा अभियान चलाया जाएगा

कोलकाता,एजेंसी। पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव का सियासी माहौल लगातार गरमाता जा रहा है। पहले चरण में हुए रिकॉर्ड मतदान ने जहां चुनावी मुकाबले को नया मोड़ दिया है, वहीं अब सभी राजनीतिक दल दूसरे चरण की तैयारी में पूरी ताकत झोंकते नजर आ रहे हैं। 29 अप्रैल को होने वाले दूसरे चरण से पहले राजधानी कोलकाता में राजनीतिक गतिविधियां तेज हो गई हैं। इसी बीच शुक्रवार को भाजपा के शीर्ष नेता और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कोलकाता में प्रेस वार्ता किया, इस दौरान उन्होंने बंगाल चुनाव के लिए पहले चरण में हुए रिकॉड मतदान के लिए राज्य की जनता का धन्यवाद दिया। साथ ही कहा कि बंगाल की

जनता ने परिवर्तन के लिए वोट किया है। उन्होंने पहले चरण में हुए रिकॉर्ड मतदान के लिए बंगाल की जनता को बधाई दिया। अमित शाह ने कहा कि कल के मतदान में बंगाल की जनता ने परिवर्तन के लिए वोट दिया, जिसके लिए मैं उनका बहुत-बहुत धन्यवाद करता हूं। उन्होंने कहा कि इस बार राज्य में चुनाव बेहद शांतिपूर्ण तरीके से हुए हैं, जो अपने आप में एक बड़ी उपलब्धि है। इसके साथ ही अमित शाह ने असम और ओडिशा में भाजपा के शासन के अलावा पश्चिम बंगाल में पार्टी की संभावनाओं पर कहा कि पांच मई के बाद अंग, बंग और कलिंग में सरकारें होंगी।

प्रेस वार्ता के दौरान अमित शाह ने आगे चुनाव आयोग की पूरी टीम की सराहना की। उन्होंने कहा कि वह चुनाव आयोग की पूरी टीम, केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बलों, चुनाव प्रक्रिया में जुड़े सभी अधिकारियों और पश्चिम बंगाल पुलिस को बधाई देते हैं। उन्होंने बताया कि लंबे समय बाद ऐसा चुनाव हुआ है जिसमें किसी भी व्यक्ति की मौत नहीं हुई। शाह के अनुसार, यह अपने आप में एक चमत्कार जैसा है कि इतनी शांत और सुरक्षित तरीके से मतदान संपन्न हुआ। उन्होंने कहा कि यह चुनाव व्यवस्था और सुरक्षा एजेंसियों के बेहतर तालमेल का परिणाम है, जिसने मतदान को सुरक्षित और शांतिपूर्ण बनाने में अहम भूमिका निभाई। शाह ने कहा कि पहले चरण के मतदान के बाद जो फीडबैक मिला है, उसके अनुसार बंगाल के लोगों ने अपने भविष्य का फैसला कर लिया है। अमित शाह ने बताया कि 16 जिलों की 52 सीटों पर हुए मतदान में करीब 92.98 प्रतिशत वोटिंग हुई है, जिसे उन्होंने ऐतिहासिक बताया। उन्होंने दावा किया कि इस भारी मतदान से यह संकेत मिलता है कि राज्य में बदलाव की लहर चल रही है। शाह ने यह भी कहा कि पार्टी की आंतरिक समीक्षा के अनुसार आने वाले चुनावी परिणामों में बड़ी जीत की संभावना है। उन्होंने दावा किया कि कुल 152 सीटों में से भाजपा 110 से ज्यादा सीटें जीत सकती है। उन्होंने आगे कहा कि दूसरे चरण के बाद पश्चिम बंगाल में पूरी तरह से भाजपा की सरकार बनने की संभावना है। शाह के अनुसार, यह चुनाव जनता के भरोसे और बदलाव की इच्छा को दर्शाता है और आने वाले समय में राज्य में नई राजनीतिक दिशा देखने को मिल सकती है। कोलकाता में पश्चिम बंगाल चुनाव को लेकर केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कई बड़े राजनीतिक वादे किए। उन्होंने कहा कि अगर राज्य में भाजपा की सरकार बनती है तो हजारों हेक्टेयर जमीन से अवैध कब्जे हटाए जाएंगे और इन जमीनों को विकास के लिए इस्तेमाल किया जाएगा। शाह ने कहा कि असम की तरह बंगाल में भी अवैध कब्जों के खिलाफ बड़ा अभियान चलाया जाएगा। उन्होंने यह भी कहा कि सभी धार्मिक त्योहार जैसे राम नवमी, सरस्वती पूजा और दुर्गा विसर्जन बिना किसी रोक-टोक के शांतिपूर्ण तरीके से मनाए जाएंगे।उन्होंने परिवर्तन की बात करते हुए कहा कि इसका मतलब सिर्फ सरकार या विधायक बदलना नहीं है।

**लोकरंजन प्रकाशन एवं शहर समता विचार मंच**

के संयुक्त तत्वावधान में

**लोकार्पण एवं काव्य गोष्ठी**

रचना सक्सेना कृत ग़ज़ल संग्रह - "और मै जिन्दा रही" का लोकार्पण

| | | |
|---|---|---|
| अध्यक्षता | - | श्री रविनंदन सिंह, वरिष्ठ साहित्यकार |
| मुख्य अतिथि | - | श्री यश मालवीय, वरिष्ठ साहित्यकार |
| मुख्य अतिथि | - | डॉ. रवि मिश्रा, प्रोफेसर, साहित्यकार |
| विशिष्ट अतिथि | - | डॉ. सरोज सिंह, प्रोफेसर |
| विशिष्ट अतिथि | - | डॉ. अमिता पाण्डेय, प्रोफेसर |
| विशिष्ट अतिथि | - | सुश्री ज्योतिर्मय श्रीवास्तव, साहित्यकार, |

कार्यक्रम स्थल:- हिन्दुस्तानी एकेडमी का सभागार'
दिनांक २६.०४.२०२६ (रविवार)

प्रथम सत्र:- लोकार्पण: दिन में ११.३० बजे से दोपहर २.३० तक
द्वितीय सत्र:- काव्य गोष्ठी: दोपहर २.४० सायकाल ०५ बजे तक

डॉ आदित्य नारायण सिंह, श्री रंजन पाण्डेय
संस्थापक
लोक रंजन प्रकाशन

संजय सक्सेना
संयोजक

उमेश श्रीवास्तव
संस्थापक,
शहर समता विचार मंच

## राघव समेत आप के सात सांसद भाजपा में शामिल

नई दिल्ली,एजेंसी। आम आदमी पार्टी के नेता और सांसद राघव चड्ढा ने शुक्रवार को पार्टी से इस्तीफा दे दिया। इसके साथ ही वो भाजपा में शामिल हो गए। राघव के अलावा दीप पाठक, अशोक मित्तल, हरभजन सिंह, विक्रजीत सिंह साहनी, राजिंदर गुप्ता के अलावा दिल्ली से आप की राज्यसभा सांसद स्वाती मालिवाल भी भाजपा में शामिल हो गईं। राघव ने एक्स पर जानकारी देते हुए लिखा, आज संविधान के प्रावधानों के तहत यह बड़ा राजनीतिक घटनाक्रम हुआ। आम आदमी पार्टी के दो-तिहाई से अधिक राज्यसभा सांसद भारतीय जनता पार्टी में शामिल हो गए। कुल सात सांसदों ने इस विलय संबंधी दस्तावेज पर हस्ताक्षर किए। इन दस्तावेजों को राज्यसभा के माननीय सभापति को सौंपा गया। तीन सांसदों ने व्यक्तिगत रूप से ये हस्ताक्षरित दस्तावेज सौंपे। राघव चड्ढा ने राज्य सभा सांसद संदीप पाठक और अशोक मित्तल के साथ प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए कहा कि हमने फैसला किया है कि हम, राज्यसभा में आम आदमी पार्टी के दो-तिहाई सदस्य, भारत के संविधान के प्रावधानों का प्रयोग करते हुए भाजपा में विलय कर लेंगे। इसके अलावा उन्होंने यह भी जानकारी दी कि स्वाति मालीवाल और पूर्व क्रिकेटर हरभजन सिंह भी भाजपा में शामिल होंगी। राघव चड्ढा ने कहा कि उन्होंने अपने खून-पसीने से पार्टी को सींचा और अपनी जवानी के 15 साल दिए। उनके अनुसार, पार्टी अब अपने सिद्धांतों, मूल्यों और मूल

नैतिकता से पूरी तरह भटक गई है। उन्होंने आरोप लगाया कि पार्टी अब देश या राष्ट्रीय हित के लिए काम नहीं कर रही है। बल्कि, यह व्यक्तिगत लाभ के लिए कार्य कर रही है। चड्ढा ने महसूस किया कि वह गलत पार्टी में सही आदमी हैं।

संदीप पाठक ने इस दौरान कहा कि मैंने अपने जीवन में नहीं सोचा था ये स्थिति आएगी, और ये आ गई। मैं किसान परिवार से आया फिर पढ़ाई लिखाई की।

## प्रापर्टी डीलर इरफान हत्याकांड का मुख्य आरोपी आसिफ दुर्रानी गिरफ्तार

प्रयागराज। करेली में प्रॉपर्टी डीलर हत्याकांड मामले में फरार चल रहा मुख्य आरोपी आसिफ दुर्रानी गिरफ्तार कर लिया गया है। पुलिस ने उसके ऊपर 25 हजार का ईनाम भी घोषित किया था। करेली में प्रॉपर्टी डीलर हत्याकांड मामले में फरार चल रहा मुख्य आरोपी आसिफ दुर्रानी गिरफ्तार कर लिया गया है। पुलिस ने उसके ऊपर 25 हजार का ईनाम भी घोषित किया था। करेली के बिस्मिल्लाह चौराहे के पास आठ अप्रैल को आसिफ दुर्रानी ने साथियों के साथ मिलकर प्रॉपर्टी डीलर इरफान की गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। प्रॉपर्टी डीलर मोहम्मद इरफान की हत्या

में नामजद मुख्य आरोपी आसिफ दुर्रानी, माफिया अतीक अहमद गैंग का सक्रिय शूटर रहा है। इस पर 25,000 रुपये का इनाम है। इसके खिलाफ धूमनगंज समेत कई थानों में डेढ़ दर्जन से अधिक मुकदमे दर्ज हैं जिसमें हत्या, लूट, फिरौती, रंगदारी, हत्या के प्रयास और आर्म्स एक्ट के हैं। इसकी तलाश में कई टीमें लगाई गईं थीं। करेली में प्रॉपर्टी डीलर मोहम्मद इरफान गद्दी की आठ अप्रैल को सरेआम गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। इस मामले में आसिफ दुर्रानी और उसके भाई राशिद दुर्रानी को मुख्य आरोपी बनाया गया था। घटना के बाद से ही दोनों फरार हो गए थे। पुलिस की छानबीन में आसिफ का कनेक्शन माफिया अतीक अहमद से मिला। यह अतीक अहमद के आईएस –27 गैंग का शार्प शूटर था। इसके खिलाफ 17 से अधिक मामले दर्ज हैं। 2020 में पीडीए ने इसके मकान को बुलडोजर से ध्वस्त कर दिया था।

## दहेज हत्या में पति को 14 साल की सजा, कोर्ट ने 12 हजार का अर्थदंड भी लगाया

प्रयागराज। जिला अदालत ने दहेज हत्या के मामले में पति को दोषी करार देते हुए 14 साल की सजा सुनाई है। यह आदेश अपर सत्र न्यायाधीश/विशेष न्यायालय (एमपी/एमएलए) योगेश कुमार–तृतीय ने एडीजीसी सुशील कुमार वैश को सुनकर दिया है। जिला अदालत ने दहेज हत्या के मामले में पति को दोषी करार देते हुए 14 साल की सजा सुनाई है। यह आदेश अपर सत्र न्यायाधीश/विशेष न्यायालय (एमपी/एमएलए) योगेश कुमार–तृतीय ने एडीजीसी सुशील कुमार वैश को सुनकर दिया है। मृतका के भाई मनोज केसरी ने नैनी के महुआरी निवासी जीजा दिनेश कुमार केसरवानी के खिलाफ दहेज हत्या, उत्पीड़न और दहेज प्रतिषेध अधिनियम के तहत नैनी के थाना औद्योगिक क्षेत्र में एफआईआर दर्ज कराई थी। आरोप लगाया था कि बहन ज्योति की शादी सात दिसंबर 2020 को दिनेश के साथ हुई थी। शादी में दहेज देने के बावजूद ससुराल पक्ष की ओर से चार पहिया वाहन और एक लाख रुपये की अतिरिक्त मांग की जाती रही। इसके बाद 11 दिसंबर 2023 की सुबह सूचना मिली कि बहन की हत्या कर दी गई है। मामले की सुनवाई के दौरान अभियोजन की ओर से सात गवाह पेश किए गए, जिनमें वादी, परिजन, चिकित्सक व विवेचक शामिल रहे। अदालत ने आरोपी पति दिनेश कुमार केसरवानी को दोषी मानते हुए दहेज हत्या में 14 साल के कठोर कारावास, दहेज के लिए उत्पीड़न के आरोप में तीन साल के कठोर कारावास और दहेज प्रतिषेध अधिनियम के तहत एक साल के कारावास की सजा सुनाई है। ये सभी सजाएं साथ–साथ चलेंगी। इसके अलावा दोषी पर 12 हजार रुपये का अर्थदंड भी लगाया गया है। अर्थदंड न देने पर छह माह की अतिरिक्त सजा भुगतनी होगी। अदालत ने अर्थदंड की राशि का 50 प्रतिशत मृतका की बेटी को देने का आदेश दिया है।

## मृत व्यक्ति के विरुद्ध पारित आदेश शून्य होता है, राजस्व परिषद ने निरस्त किया एसडीएम का फैसला

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश राजस्व परिषद ने कहा कि किसी मृत व्यक्ति के विरुद्ध पारित आदेश विधि की दृष्टि में शून्य होता है। इसके साथ ही परिषद ने करछना उपजिलाधिकारी की ओर से पारित आदेश को निरस्त कर फिर से सुनवाई करने का आदेश दिया है। उत्तर प्रदेश राजस्व परिषद ने कहा कि किसी मृत व्यक्ति के विरुद्ध पारित आदेश विधि की दृष्टि में शून्य होता है। इसके साथ ही परिषद ने करछना उपजिलाधिकारी की ओर से पारित आदेश को निरस्त कर फिर से सुनवाई करने का आदेश दिया है। राजस्व परिषद के सदस्य (न्यायिक) साहब सिंह ने यह आदेश राधेकृष्ण की ओर से दायर वाद पर दिया है।

करछना निवासी राधेकृष्ण ने करछना उपजिलाधिकारी के दो सितंबर 2016 को दिए आदेश के खिलाफ वाद दायर किया था। याची ने दलील दी कि अवर न्यायालय ने रिव्यू प्रार्थना पत्र पर बिना गहन विचार के खारिज कर दिया और विवादित भूमि के संबंध में पारिवारिक समझौते की शर्तों की अनदेखी की। वहीं रिव्यू प्रार्थना पत्र लंबित रहने के दौरान विपक्षी राधेश्याम की मृत्यु हो गई। इसके बावजूद अवर न्यायालय ने उनके विधिक उत्तराधिकारियों को पक्षकार बनाए बिना ही अंतिम आदेश पारित कर दिया।

परिषद ने कहा कि सिविल प्रक्रिया संहिता के आदेश–22 नियम–4 के अनुसार किसी पक्षकार की मृत्यु होने पर उसके विधिक वारिस को पक्षकार बनाना अनिवार्य है। ऐसा न करने पर कार्यवाही अवैध हो जाती है। साथ ही मृत व्यक्ति के विरुद्ध दिया गया आदेश स्वतः शून्य हो जाता है। परिषद ने दो सितंबर 2016 के आदेश को निरस्त करते हुए मामले को अवर न्यायालय के पास भेज दिया है। सिविल प्रक्रिया संहिता के आदेश–22 नियम–4 के तहत यदि वाद (मुकदमे) के दौरान प्रतिवादी की मृत्यु हो जाती है और वाद का कारण बना रहता है। तो मृत प्रतिवादी के कानूनी वारिसों को 90 दिन के भीतर रिकॉर्ड पर लाना अनिवार्य होता है। यदि ऐसा नहीं होता तो मुकदमा मृत प्रतिवादी के खिलाफ खारिज हो सकता है।

## हाईकोर्ट ने पति पर लगाया 15 लाख का हर्जाना, कहा–विवाह शोषण का लाइसेंस नहीं

प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने वैवाहिक विवाद में न्यायिक प्रक्रिया के दुरुपयोग पर कड़ा रुख अपनाया। कहा कि विवाह जैसा पवित्र रिश्ता किसी का शोषण करने का लाइसेंस नहीं है।

इलाहाबाद हाईकोर्ट ने वैवाहिक विवाद में न्यायिक प्रक्रिया के दुरुपयोग पर कड़ा रुख अपनाया। कहा कि विवाह जैसा पवित्र रिश्ता किसी का शोषण करने का लाइसेंस नहीं है। कोर्ट ने झूठे तथ्यों के आधार पर याचिका दाखिल करने वाले पति पर 15 लाख रुपये का हर्जाना लगाया और याचिका खारिज कर दी।

# 10वीं में पश्चिमी यूपी तो 12वीं में पूर्वांचल के छात्रों का दबदबा, वाराणसी सबसे पीछे

प्रयागराज। यूपी बोर्ड के परीक्षा परिणाम में पश्चिमी यूपी ने जहां हाईस्कूल में बाजी मारी, वहीं पूर्वांचल इंटरमीडिएट के परिणाम में अव्वल रहा। बोर्ड इंटरमीडिएट परीक्षा–2026 में मेरठ क्षेत्रीय कार्यालय का परिणाम सर्वाधिक 91.66 फीसदी व हाईस्कूल में गोरखपुर क्षेत्रीय कार्यालय का परिणाम सर्वाधिक 80.74 फीसदी रहा।

यूपी बोर्ड के परीक्षा परिणाम में पश्चिमी यूपी ने जहां हाईस्कूल में बाजी मारी, वहीं पूर्वांचल इंटरमीडिएट के परिणाम में अव्वल रहा। बोर्ड इंटरमीडिएट परीक्षा–2026 में मेरठ क्षेत्रीय कार्यालय का परिणाम सर्वाधिक 91.66 फीसदी व हाईस्कूल में गोरखपुर क्षेत्रीय कार्यालय का परिणाम सर्वाधिक 80.74 फीसदी रहा।

हाईस्कूल में मेरठ क्षेत्रीय कार्यालय के तहत 95.44 फीसदी बालिकाएं और 88.30 फीसदी बालक उत्तीर्ण घोषित किए गए। वहीं, 90.85 फीसदी रिजल्ट के साथ गोरखपुर क्षेत्रीय कार्यालय दूसरे नंबर पर रहा, जहां बालकों का उत्तीर्ण प्रतिशत 88.42 व बालिकाओं को उत्तीर्ण प्रतिशत 93.36 रहा।

तीसरे नंबर पर वाराणसी क्षेत्रीय कार्यालय रहा, जिसका परिणाम 90.38 फीसदी है। इसमें बालकों का उत्तीर्ण प्रतिशत 87.50 व बालिकाओं का 93.25 है। हाईस्कूल में चौथे नंबर पर रहे प्रयागराज क्षेत्रीय कार्यालय का परिणाम 89.82 फीसदी और पांचवें स्थान पर रहे बरेली क्षेत्रीय कार्यालय का परिणाम 89.33 प्रतिशत 86.13 है।

82.67 फीसदी रिजल्ट के साथ तीसरे स्थान पर रहे बरेली क्षेत्रीय कार्यालय के तहत 76.

फीसदी रहा।

प्रयागराज क्षेत्रीय कार्यालय के तहत बालकों का उत्तीर्ण प्रतिशत 86.69 व बेटियों का उत्तीर्ण प्रतिशत 93.18 और बरेली क्षेत्रीय कार्यालय के तहत बेटियों का रिजल्ट 94.15 फीसदी व बालकों का 85.20 फीसदी रहा। उधर, इंटरमीडिएट में पहले स्थान पर रहे गोरखपुर क्षेत्रीय कार्यालय के तहत छात्राओं का उत्तीर्ण प्रतिशत 85.42 व छात्रों का उत्तीर्ण प्रतिशत 76.23 रहा। दूसरे स्थान पर 80.72 फीसदी रिजल्ट के तहत प्रयागराज क्षेत्रीय कार्यालय रहा, जहां बालकों का उत्तीर्ण प्रतिशत 75.87 व बालिकाओं का उत्तीर्ण प्रतिशत 94 फीसदी बालक व 89.68 फीसदी बेटियां उत्तीर्ण रहीं। इंटरमीडिएट में चौथे स्थान पर 80.42 फीसदी रिजल्ट के साथ मेरठ क्षेत्रीय कार्यालय रहा, जहां 74.29 फीसदी बालकों व 88.10 फीसदी बालिकाओं को उत्तीर्ण घोषित किया गया।

वाराणसी क्षेत्रीय कार्यालय सबसे पीछे रहा और वहां का उत्तीर्ण प्रतिशत 78.80 फीसदी तक सीमित रहा। वाराणसी क्षेत्रीय कार्यालय के तहत 73.14 फीसदी बालकों व 84.52 फीसदी बालिकाओं को उत्तीर्ण घोषित किया गया।

कम्पार्टमेंट परीक्षा के लिए 345 छात्र पाए गए अर्ह

माध्यमिक शिक्षा परिषद की हाईस्कूल परीक्षा के परिणाम के आधार पर परीक्षार्थियों के वर्षवार संख्यात्मक वर्गीकरण पर गौर करें तो इस वर्ष इंप्रूवमेंट परीक्षा के लिए 2,51,750 (10.70 प्रतिशत) और कम्पार्टमेंट परीक्षा के लिए 345 छात्र अर्ह पाए गए हैं। वर्ष 2024 में इंप्रूवमेंट परीक्षा के लिए 3,22,963 (13.12 प्रतिशत) और वर्ष 2025 में 2,81,473 (12.27 प्रतिशत) छात्र अर्ह पाए गए थे। वहीं, कम्पार्टमेंट परीक्षा के लिए वर्ष 2024 में 209 और 2025 में 291 छात्र अर्ह पाए गए थे। वर्ष 2026 में कम्पार्टमेंट परीक्षा में अर्ह पाए गए छात्रो में मेरठ क्षेत्रीय कार्यालय के 60, बरेली के 40, प्रयागराज के 77, वाराणसी के 115 और गोरखपुर के 53 छात्र शामिल हैं।

# बाबा बागेश्वर बोले– हनुमान जी की तरह विरोधियों के खिलाफ बजाना होगा डंका

प्रयागराज। प्रयाग उत्थान समिति की ओर से आयोजित संगम नगरी के अरैल क्षेत्र में राष्ट्र हनुमंत कथा के तीसरे दिन पंडित धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री ने सुंदरकांड का भावपूर्ण वर्णन करते हुए कहा कि हनुमान जी के स्वभाव से स्पष्ट है कि जो राम का द्रोही है, वह उनका भी शत्रु है।

प्रयाग उत्थान समिति की ओर से आयोजित संगम नगरी के अरैल क्षेत्र में राष्ट्र हनुमंत कथा के तीसरे दिन पंडित धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री ने सुंदरकांड का भावपूर्ण वर्णन करते हुए कहा कि हनुमान जी के स्वभाव से स्पष्ट है कि जो राम का द्रोही है, वह उनका भी शत्रु है। उन्होंने आह्वान किया कि जिस तरह हनुमान जी ने लंका में जाकर डंका बजाया था, उसी तरह हमें भी भारत में रहकर हिंदू विरोधियों के खिलाफ डंका बजाना होगा।

उन्होंने कहा कि आज मनुष्य अपने मूल मार्ग से भटक गया है और आए थे हरि भजन को ओटन लगे कपास वाली स्थिति में फंसकर रह गया है। अगर मूल में भूल करोगे तो न जीवन जी पाओगे और न ही मंजिल तक पहुंच पाओगे। पंडित धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री ने हिंदू राष्ट्र के संकल्प को दोहराते हुए कहा कि जब हम हिंदू जागृति की बात करते हैं, तो कुछ लोग हमारा विरोध इसलिए करते हैं क्योंकि हमने सोए हुए हिंदुओं

को जगा दिया है। वर्तमान में विडंबना यह है कि हिंदू ही हिंदू का विरोध कर रहा है और ऐसे लोगों की मंशा में खोट साफ नजर आता है।

दिव्य दरबार में स्वीकार की गई भक्तों की अर्जियां, हंसराज रघुवंशी के भजन पर थिरके श्रद्धालु

मुख्य कथा से पूर्व शाम चार बजे से 7 बजे तक दिव्य दरबार लगाया गया। इस दरबार में उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़ और राजस्थान समेत कई राज्य से आए भक्तों की अर्जियां स्वीकार की गईं। इस मौके पर भजन सम्राट हंसराज रघुवंशी ने भी अपनी शानदार प्रस्तुति दी। उनके शिव भजनों और भक्ति गीतों पर पंडाल में मौजूद हर श्रद्धालु झूमने लगा। समिति के प्रवक्ता राजेश केसरवानी ने बताया कि कार्यक्रम के मुख्य संयोजक डॉ. उदय प्रताप सिंह ने आए हुए विशिष्ट अतिथियों का अंगवस्त्र और स्मृति चिह्न प्रदान किया।

रामायण को जीवन में उतारा तो घर में नहीं होगा महाभारत– नीतीश भारद्वाज

प्रयाग उत्थान समिति की ओर से आयोजित तीन दिवसीय हनुमंत कथा के अंतिम दिन धारावाहिक महाभारत में भगवान कृष्ण भूमिका निभाने वाले अभिनेता नीतीश भारद्वाज शामिल हुए। उन्होंने जीवन का सार साझा करते हुए कहा कि यदि व्यक्ति अपने जीवन में रामायण के आदर्शों को उतार लें और मर्यादा पुरुषोत्तम के मार्ग पर चलें, तो उसके जीवन और घर में कभी महाभारत (कलह) नहीं होगा। कथा के अंतिम दिन परमार्थ निकेतन के स्वामी चिदानंद मुनि महाराज और प्रख्यात कथावाचक महंत श्याम सुंदर पराशर समेत कई विशिष्ट संतों ने शिरकत की। कार्यक्रम के मुख्य यजमान डॉ. उदय प्रताप सिंह ने सपरिवार आरती कर आशीर्वाद लिया। इस दौरान महापौर गणेश केसरवानी, पूर्व सांसद रीता बहुगुणा जोशी, उदय भान करवरिया, नीरज त्रिपाठी, कुमार नारायण, राजेश केसरवानी, अनुराग सिंह, अभिषेक ठाकुर आदि मौजूद रहे।

# निजी जमीन पर किए निर्माण को गिराने से पहले नोटिस व सुनवाई का अवसर देना अनिवार्य

प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने कहा कि किसी भी निजी जमीन पर किए गए निर्माण को गिराने से पहले संबंधित व्यक्ति को कारण बताओ नोटिस और सुनवाई का अवसर देना अनिवार्य है।

इलाहाबाद हाईकोर्ट ने कहा कि किसी भी निजी जमीन पर किए गए निर्माण को गिराने से पहले संबंधित व्यक्ति को कारण बताओ नोटिस और सुनवाई का अवसर देना अनिवार्य है। न्यायमूर्ति अजीत कुमार और न्यायमूर्ति स्वरूपमा चतुर्वेदी की खंडपीठ ने गोपाल कृष्ण व अन्य की याचिका पर सुनवाई करते हुए यह निर्देश दिया।

कोर्ट ने कहा कि विकास प्राधिकरण को मास्टर प्लान के उल्लंघन में किए गए निर्माण के खिलाफ कार्रवाई का अधिकार है, लेकिन इसके लिए निर्धारित कानूनी प्रक्रिया का पालन करना होगा। यह मामला प्रयागराज के कर्नलगंज थाना क्षेत्र में प्लॉट संख्या 27 और 28 के सीमा विवाद और उन पर किए गए निर्माण से जुड़ा है।

राजस्व विभाग की पैमाइश रिपोर्ट के अनुसार प्लॉट संख्या

27 नवीन परती यानी सरकारी भूमि है, जबकि प्लॉट संख्या 28 एक निजी स्वामित्व वाली भूमि है। याचिकाकर्ता ने आरोप लगाया था कि उनकी संपत्ति पर अवैध रूप से ध्वस्तीकरण की कार्रवाई की जा रही है।

कोर्ट ने पक्षों को सुनने के बाद कहा कि याची ने प्लॉट नंबर 27 (नवीन परती) पर निर्माण किया है तो उसे ध्वस्तीकरण की कार्रवाई का सामना करना पड़ेगा, बशर्ते कारण बताने के लिए उचित अवसर दिया जाए। कोर्ट ने स्पष्ट किया कि प्लॉट संख्या 27 (सरकारी भूमि) पर किए गए किसी भी अतिक्रमण को कानून के अनुसार हटाया जा सकता है।

वहीं, निजी भूमि (प्लॉट संख्या 28) के मामले में सुप्रीम कोर्ट के सिद्धांतों का पालन करना होगा।

सुनवाई के दौरान प्रयागराज विकास प्राधिकरण ने कोर्ट को बताया कि ध्वस्तीकरण की कार्रवाई केवल प्लॉट संख्या 28 पर स्थित अशोक कुमार सिंह के उस निर्माण के खिलाफ की गई थी, जो स्वीकृत विकास योजना के अनुरूप नहीं था।

कोर्ट ने याचिका को निस्तारित करते हुए यह भी जोड़ा कि यदि पक्षकारों के बीच कोई निजी विवाद है तो वे सक्षम सिविल कोर्ट में अपनी लड़ाई लड़ने के लिए स्वतंत्र हैं। हाईकोर्ट ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि भविष्य में किसी भी निजी निर्माण पर कार्रवाई करने से पहले नोटिस जारी किया जाए।

## बैंक मैनेजर की सेवा समाप्ति रद्द

प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने अनुशासनिक कार्रवाई के एक मामले में हस्तक्षेप करते हुए यूको बैंक के एक पूर्व शाखा प्रबंधक की सेवा समाप्ति के आदेश को रद्द कर दिया है। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने अनुशासनिक कार्रवाई के एक मामले में हस्तक्षेप करते हुए यूको बैंक के एक पूर्व शाखा प्रबंधक की सेवा समाप्ति के आदेश को रद्द कर दिया है। न्यायमूर्ति सौरभ श्याम शमशेरी की एकल पीठ ने मामले की सुनवाई करते हुए स्पष्ट किया कि हालांकि कर्मचारी पर लगे आरोप गंभीर हैं, लेकिन बैंक ने सेवा से हटाने की सजा तय करते समय कानूनी प्रावधानों और द्विपक्षीय समझौतों की अनदेखी की है। अदालत ने बैंक प्रबंधन को याची को दी गई सजा की प्रकृति पर कानून के दायरे में रहकर फिर से विचार करने का निर्देश दिया है। गाजियाबाद में याची विनोद कुमार सेठी यूको बैंक के शाखा प्रबंधक के रूप में तैनात थे। उन पर आरोप था कि उन्होंने बैंक के स्थापित नियमों का पालन न कर मेसर्स भव्य क्रेडिट एंड इन्वेस्टमेंट प्राइवेट लिमिटेड के पक्ष में फर्जी बैंक गारंटी जारी की थी। इस कदाचार के लिए बैंक के अनुशासनिक प्राधिकारी ने मार्च 2007 में उन्हें सेवा से बर्खास्त कर दिया था। कोर्ट ने पक्षों को सुनने के बाद पाया कि जांच प्रक्रिया पूरी तरह पारदर्शी थी और याचिकाकर्ता पर लगे दोनों आरोप सिद्ध हो चुके हैं, फिर भी सजा का पैमाना कानून सम्मत होना अनिवार्य है। कोर्ट ने बर्खास्तगी रद्द करते हुए मामले को वापस बैंक के सक्षम प्राधिकारी के पास भेज दिया है। कहा कि प्रमाणित प्रति प्राप्त होने के छह सप्ताह के भीतर द्विपक्षीय समझौते के प्रावधानों के आलोक में नया आदेश पारित किया जाए।

## मृतक आश्रित शिक्षकों को राहत, आसान हुई आवेदन प्रक्रिया

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश शिक्षा सेवा चयन आयोग ने यूपी अध्यापक पात्रता परीक्षा (टीईटी) पोर्टल में महत्वपूर्ण संशोधन करते हुए अभ्यर्थियों को बड़ी राहत दी है। अब ऐसे सेवारत शिक्षक जो 1990–91–92 में मृतक आश्रित श्रेणी के तहत केवल इंटरमीडिएट योग्यता पर नियुक्त हुए थे। उत्तर प्रदेश शिक्षा सेवा चयन आयोग ने यूपी अध्यापक पात्रता परीक्षा (टीईटी) पोर्टल में महत्वपूर्ण संशोधन करते हुए अभ्यर्थियों को बड़ी राहत दी है। अब ऐसे सेवारत शिक्षक जो 1990–91–92 में मृतक आश्रित श्रेणी के तहत केवल इंटरमीडिएट योग्यता पर नियुक्त हुए थे। आवेदन प्रक्रिया पूरी कर सकेंगे। अब तक ये अभ्यर्थी यूपी टीईटी फॉर्म नहीं भर सकते थे क्योंकि उनके पास स्नातक, बीटीसी या बीएड की डिग्री नहीं है। पोर्टल में किए गए संशोधन के बाद ऐसे अभ्यर्थी विशेष चेक बॉक्स पर क्लिक कर आवेदन कर सकेंगे। उन्हें अन्य शैक्षिक विवरण भरने की आवश्यकता नहीं होगी।

इसके साथ ही आयोग ने उन अभ्यर्थियों को भी सुविधा दी है, जिन्होंने पहले 1 से 5 श्रेणियों में आवेदन किया है। अब 6 से 8 श्रेणियों में भी आवेदन करना चाहते हैं। ऐसे अभ्यर्थी लॉगिन करने के बाद एग्जाम ऑप्शन में जाकर एड अदर पेपर विकल्प का चयन कर आगे की प्रक्रिया पूरी कर सकते हैं।

अभ्यर्थियों को दोबारा शैक्षिक योग्यता का विवरण भरने की जरूरत नहीं होगी। उनके लिए वेतन पर्ची (सैलरी स्लिप) ही पर्याप्त मानी जाएगी। आयोग के इस संशोधन से लंबे समय से आवेदन में आ रही तकनीकी बाधाएं दूर होने की उम्मीद है और बड़ी संख्या में अभ्यर्थियों को राहत मिलेगी।

## साजन मेहतर हत्याकांड में फरार पांच आरोपियों के घर कराई मुनादी

प्रयागराज। जार्ज टाउन थाना क्षेत्र के अल्लापुर में हुए साजन मेहतर हत्याकांड में फरार चल रहे पांच आरोपी सिकंदर पासी, गोलू पासी, सुधीर पासी, गुड्डू पासी उर्फ अजय कुमार और मान सिंह उर्फ गूंगे के खिलाफ पुलिस ने कार्रवाई तेज कर दी है। जार्ज टाउन थाना क्षेत्र के अल्लापुर में हुए साजन मेहतर हत्याकांड में फरार चल रहे पांच आरोपी सिकंदर पासी, गोलू पासी, सुधीर पासी, गुड्डू पासी उर्फ अजय कुमार और मान सिंह उर्फ गूंगे के खिलाफ पुलिस ने कार्रवाई तेज कर दी है। कोर्ट के आदेश पर बृहस्पतिवार को इन सभी आरोपियों के घर नोटिस चस्पा किया गया और टीम ने डुगडुगी बजवाते हुए मुनादी कराई। 26 जुलाई 2025 की रात अल्लापुर में हिस्ट्रीशीटर साजन मेहतर की नृशंस हत्या कर दी गई थी। मामले में जार्ज टाउन थाने में गंभीर धाराओं के तहत एफआईआर दर्ज की गई थी। घटना के बाद से ही कई आरोपी फरार चल रहे हैं। अपराधियों की गिरफ्तारी के लिए लगातार अभियान चलाया जा रहा है। इसी क्रम में एसीपी कर्नलगंज के नेतृत्व में जार्ज टाउन पुलिस ने फरार आरोपियों की तलाश में संभावित ठिकानों पर दबिश दी, लेकिन कोई भी आरोपी हाथ नहीं लगा। इसके बाद कोर्ट से जारी आदेश के तहत आरोपियों के घरों के मुख्य द्वार पर नोटिस चस्पा किया गया। साथ ही क्षेत्र में मुनादी कराकर लोगों को आरोपियों के बारे में जानकारी दी गई। वहीं इस मामले में जेके पासी उर्फ अजय भारतीया और विशाल उर्फ केतुल केशरवानी भी फरार हैं।

## अस्पताल की दहलीज पर गश खाकर गिरा अधेड़, मौत

प्रयागराज। स्थानीय बाजार में किसी काम से आए एक बुजुर्ग कस्बा के एक अस्पताल की दहलीज पर गश खाकर गिर पड़े। डॉक्टर उनका इलाज शुरू करते, इससे पहले उनकी सांसे थम गई। वृद्ध की पहचान जुम्मन अली (60) के रूप में हुई। नवाबगंज थाना क्षेत्र के आनापुर अंतर्गत नसीरपुर दरगाही गांव निवासी जुम्मन अली अपनी पत्नी अफसरून्निसा के साथ चूड़ी की फेरी लगाते थे। बृहस्पतिवार को सुबह करीब 10 बजे वह किसी काम से लालगोपालगंज बाजार आए थे। तेज धूप में असहज महसूस होने पर वह पास स्थित एक निजी अस्पताल पहुंच गए। लोगों ने बताया कि अस्पताल के गेट पर पहुंचे ही थे कि वे गश खाकर जमीन पर गिर पड़े। इस दौरान पहुंचे डॉक्टर उनका इलाज शुरू करते कि उनकी सांसें थम गई। काफी पुलिस ने लिखापढ़ी कर शव को परिजनों के सुपुर्द कर दिया है।

## डीआरएम ने किया स्टेशन का निरीक्षण

प्रयागराज। प्रयागराज मंडल के मंडल रेल प्रबंधक (डीआरएम) रजनीश अग्रवाल ने बृहस्पतिवार को शंकरगढ़ रेलवे स्टेशन का निरीक्षण किया। उन्होंने स्टेशन परिसर एवं रेलवे आवासों में 24 घंटे निर्बाध बिजली और पेयजल आपूर्ति सुनिश्चित करने के सख्त निर्देश दिए। उन्होंने स्पष्ट कहा कि यदि इसमें लापरवाही पाई गई तो संबंधित जिम्मेदार अधिकारियों पर कार्रवाई की जाएगी। डीआरएम अपने विशेष रेलवे वाहन से स्टेशन पहुंचे और सबसे पहले कंट्रोल रूम का जायजा लिया। इसके बाद उन्होंने प्लेटफॉर्म संख्या एक एवं दो, स्टेशन परिसर तथा शंकरगढ़ सदर बाजार से जुड़े 415–बी रेलवे फाटक का निरीक्षण किया।

## व्यापारी की कार में रखा 9.96 लाख चोरी

प्रयागराज। इलाके में दिनदहाड़े एक पशु व्यापारी की कार में से पैसों से भरा झोला चोरी हो गया। झोला में करीब 9.96 लाख रुपये था। व्यापारी ने मऊआइमा थाना में अज्ञात चोरों के खिलाफ तहरीर दी है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

## प्रशिक्षण शिविर का आयोजन

प्रयागराज। बलराम ग्रुप आफ इंस्टीट्यूशंस द्वारा संचालित सिटीजन गर्ल्स कॉलेज, बलराम नगर, नैनी में बी.एड. एवं डी. एल.एड के प्रशिक्षुओं का  श्पांच दिवसीय इंट्रोडक्टरी स्काउट गाइड प्रशिक्षण शिविरश का आयोजन प्रशिक्षक डॉक्टर दर्शी श्रीवास्तव और प्रिया कक्कड़ के नेतृत्व में दिनांक 20.04. 26 से प्रारंभ हुआ । प्रशिक्षण के पांचवें दिन महाविद्यालय की छात्राओं ने

टेंट निर्माण और पाक कला का प्रदर्शन किया। इन पांच दिनों में छात्राओं ने विविध गतिविधियों का प्रशिक्षण लेते हुए अनुशासन, आत्मनिर्भरता, सेवा भाव और नेतृत्व क्षमता विकसित करने का प्रशिक्षण लेने के साथ आपदा प्रबंधन, प्राथमिक चिकित्सा ,टेंट निर्माण और नैतिक शिक्षा के गुण सीखें इसके साथ ही उन्होंने सांस्कृतिक कार्यक्रम भी प्रस्तुत किया।टेंट का निरीक्षण करते हुए महाविद्यालय की प्राचार्य डॉक्टर मधुलिका सिंह ने कहा कि स्काउट गाइड का मूल मंत्र है श्तैयार रहोश इसलिए छात्राएं प्रत्येक परिस्थितियों का सामना करने के लिए सदैव तत्पर रहें। इस प्रशिक्षण शिविर में श्वेता, अंजलि, सुरुचि, दिव्यांशी, शिवानी, सलोनी, मधु, सितु और प्रीति आदि छात्राओं ने प्रशिक्षण प्राप्त किया। शिविर के संचालन में उप प्राचार्य उमा लता पटेल, डॉक्टर अंजुला तिवारी, अंजना गौड़, अंजलि सैमुअल, सचिन श्रीवास्तव, फराज अहमद आदि का सहयोग रहा। यह प्रशिक्षण महाविद्यालय की प्रबंधक श्रीमती उमा सिंह जी के निर्देशन और श्री सुंदरम शुक्ला जी के विशेष सहयोग से संचालित हो रहा है।

### संघर्ष से सफलता तक

## दृष्टि बाधित बच्ची ने इंटरमीडिएट में हासिल किया 82 प्रतिशत अंक

प्रयागराज। दृढ़ संकल्प और मेहनत का एक प्रेरणादायक

उदाहरण सामने आया है, जहां एक दृष्टि बाधित, ( ब्लाइंड )बच्ची प्रयागराज की खुशी सेठ ने 82: अंक प्राप्त कर अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाया है स सीमित संसाधनों और चुनौतियों के बावजूद, खुशी सेठ ने अपनी लगन और हौसले से यह उपलब्धि हासिल की सइस सफलता में सामाजिक सहयोग भी महत्वपूर्ण रहा स इस नेक कार्य में भाविनी वेलफेयर सोसाइटी की सचिव पूनम सिंह और उपसचिव रुचि राय द्वारा विशेष सहयोग प्रदान किया गया, जिन्होंने बच्ची को आगे बढ़ाने में हर संभव मदद की स बच्ची के आगे पढ़ाई के लिए भी किया वादा सयह उपलब्धि न केवल उस बच्ची के लिए बल्कि समाज के लिए भी एक संदेश है कि यदि हौसले बुलंद हो तो कोई भी बाधा रास्ता नहीं रोक सकती।

## पारा में दांतों से काटा युवक का गाल, मांस निकला

लखनऊ, संवाददाता। पारा थाना क्षेत्र में एक युवक ने दूसरे युवक का गाल दांतों से काट लिया। इससे मांस निकल आया। बीच–बचाव करने आए दो अन्य लोगों को भी काटने दौड़ा। उन पर ईंट फेंक–फेंककर मारने लगा। पुलिस ने शिकायत होने पर मुकदमा दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है। मामला पारा गांव का 17 अप्रैल का है। जिस युवक का गाल काट लिया गया उसकी पहचान जितेंद्र रावत के रूप में हुई है। घटना वाले दिन से ही उसके घरवाले पारा थाने की दौड़ लगा रहे थे। करीब एक सप्ताह बाद 23 अप्रैल की रात पुलिस ने आरोपी अखिलेश राजपूत के खिलाफ मारपीट और एससी–एसटी एक्ट में मुकदमा दर्ज किया। पीड़ित जितेंद्र ने पुलिस को दी शिकायत में बताया है कि अखिलेश राजपूत नशे की हालत में उसके पास आया और गाली–गलौज करने लगा। विरोध करने पर अखिलेश ने उसे ईंट–पत्थर से मारने लगा। इस दौरान अखिलेश ने उसके बाएं गाल को दांतों से काट लिया, जिससे गाल का मांस निकल आया और खून बहने लगा। शोर सुनकर मौके पर पहुंचे पड़ोसी पूरन राजपूत और अमर राजपूत ने जब बीच–बचाव करने की कोशिश की, तो आरोपी अखिलेश ने उन पर भी हमला कर दिया। दोनों को भी चोटें आई हैं। उन्हें भी दांत से काटने दौड़ा। आरोपी ने ईंट उठाकर जान से मारने की कोशिश की और लगातार धमकियां देता रहा। तीनों किसी तरह अपनी जान बचाकर मौके से भागे। घायलों ने घटना के बाद पुलिस से शिकायत कर आरोपी के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की है।

## तेल खराब मिलने पर 14 फर्मों पर प्रतिबंध, बनाने-बेचने, वितरण और भंडारण पर भी लगी रोक

लखनऊ, संवाददाता। उत्तर प्रदेश में मानक के विपरीत बिक्री पर 14 फर्मों के खाद्य तेलों एवं अन्य उत्पादों पर पाबंदी लगा दी गई है। ये फर्में खाद्य तेल और वसायुक्त किसी भी उत्पाद को नहीं बना सकेंगी। इनके उत्पाद की बिक्री, भंडारण और वितरण प्रतिबंधित किया गया है। यह प्रतिबंध खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन विभाग की आयुक्त डा. रोशन जैकब ने लगाया है। प्रदेश में खाद्य तेलों में मिलावट की शिकायत पर 23 फरवरी को प्रदेशभर में 58 टीमों ने 64 खाद्य तेल इकाइयों की जांच की। इसमें 56 इकाइयों से 206 नमूने लिए गए। नमूनों की जांच भारतीय खाद्य संरक्षा एवं मानक प्राधिकरण द्वारा अधिकृत प्रयोगशालाओं में कराई गई। जांच में संबंधित नमूने असुरक्षित और अधोमानक पाए गए हैं। कुछ उत्पादों में लेड तत्व की अधिक मात्रा पाई गई है, जो मानव जीवन के लिए खतरनाक है। कई उत्पादों में अनधिकृत रूप से एक से अधिक खाद्य तेलों का मिश्रण किया गया। फोर्टिफाइड तेलों में विटामिन की मात्रा कम पाई गई, जिससे उपभोक्ताओं को धोखा दिया जा रहा था।

# ग्रामीण बच्चों के भविष्य को सुरक्षित करने के लिए एएसआरएचएमसी और यूएआरडीटी के प्रयास जारी

ताडेपल्लीगुडेम। राष्ट्रीय पोषण मिशन को महत्वपूर्ण बढ़ावा देते हुए, एएसआर होम्योपैथिक मेडिकल कॉलेज (एएसआरएचएमसी) तथा उमर अलीशा ग्रामीण विकास ट्रस्ट (यूएआरडीटी) के सहयोग से 8वें पोषण पखवाड़ा के लिए दो दिवसीय विशाल जागरूकता अभियान का आयोजन किया गया। गहन अभियान 2026 के राष्ट्रीय विषय पर केंद्रित थारू जीवन के पहले छह वर्षों में मस्तिष्क के विकास को अधिकतम करना।

इस पहल ने दस परिधीय क्लीनिकों और एएसआरएचएमसी अस्पताल में हजारों देखभालकर्ताओं को संगठित किया। यह अभियान जैविक वास्तविकता पर केंद्रित है कि पहले 1,000 दिन – गर्भधारण से लेकर बच्चे के दूसरे जन्मदिन तक – आजीवन आईक्यू, प्रतिरक्षा और समग्र स्वास्थ्य का निर्धारण करने के लिए सबसे महत्वपूर्ण अवधि है।

एएसआरएचएमसी सेमिनार हॉल में एक उच्च स्तरीय सेमिनार को संबोधित करते हुए, प्राचार्य प्रोफेसर डॉ. आनंद कुमार पिंगली ने माता–पिता और स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं को एक आकर्षक संदेश दिया। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि तंत्रिका विज्ञान पुष्टि करता है कि मस्तिष्क का 85: विकास छह साल की उम्र तक पूरा हो जाता है। डॉ. पिंगली ने चेतावनी दी कि इस अवधि के दौरान पोषण या मानसिक उत्तेजना की उपेक्षा करने से इष्टतम संज्ञानात्मक विकास का अवसर खो जाता है जिसे कभी भी पुनर्प्राप्त नहीं किया जा सकता है। इस वर्ष के अभियान की आधारशिला स्तनपान कराने

वाली माँ की महत्वपूर्ण भूमिका थी। डॉ. पिंगली ने माँ के आहार को शिशु के लिए अप्रत्यक्ष जीवन रेखा बताया, और कहा कि यदि माँ कुपोषित है तो बच्चे का संज्ञानात्मक विकास प्रभावित होता है। अभियान ने स्वस्थ विकास चक्र में आवश्यक पहला कदम के रूप में पोषणकर्ता के लिए पोषण की वकालत की।

डॉ. अर्ला महेश कुमार और प्रशिक्षु डॉ. एम. असवंत के विशेषज्ञ मार्गदर्शन में, टीम ने दिखाया कि कैसे होम्योपैथी बाल चिकित्सा देखभाल के लिए एक सुरक्षित और सौम्य ढाल के रूप में कार्य करती है। स्वाभाविक रूप से स्तनपान में सहायता करके और संवैधानिक उपचार के माध्यम से प्रतिरक्षा को बढ़ाकर, होम्योपैथी यह सुनिश्चित करती है कि बच्चे की ऊर्जा बीमारी से लड़ने के बजाय मस्तिष्क के विकास पर खर्च हो। दवा की मधुर प्रकृति नवजात शिशुओं के लिए आघात–मुक्त अनुभव भी सुनिश्चित करती है।

आउटरीच कार्यक्रम ने समर्पित गाँव दौरों की एक श्रृंखला के माध्यम से महत्वपूर्ण जमीनी स्तर पर प्रभाव हासिल किया। 22 अप्रैल को, वल्लुरुपल्ले गांव और दारसीपार्रू में एमपीपीएस प्राथमिक और आंगनवाड़ी स्कूलों में गहन जागरूकता सत्र आयोजित किए गए। गति 23 अप्रैल को ताडेपल्लीगुडेम और डार्सिपार्रू परिधीय ओपीडी में नैदानिक सेवाओं के साथ जारी रही, इसके बाद पेंटापाडु एमपीपीएस, बोडापाडु एमपीपीएस और पिप्पारा में जेडपीपी हाई स्कूल में स्वास्थ्य जांच और शैक्षिक अभियान चलाया गया।

तंत्रिका स्वास्थ्य की रक्षा के लिए एक कदम में, अभियान ने डिजिटल महामारी के खिलाफ सख्त चेतावनी जारी की। राष्ट्रीय दिशानिर्देशों का पालन करते हुए, एएसआरएचएमसी ने दो साल से कम उम्र के बच्चों के लिए जीरो स्क्रीन टाइम की सलाह दी। माता–पिता से आग्रह किया गया कि वे दैनिक नो–स्क्रीन–आवर को अपनाएं, गहरे तंत्रिका संबंधों को बढ़ावा देने के लिए स्मार्टफोन की जगह परिवार के साथ खेलने के समय और पारंपरिक कहानी सुनाएं। राष्ट्रीय होम्योपैथी आयोग और भारत सरकार के विकसित भारत दृष्टिकोण के साथ जुड़कर, एएसआरएचएमसी और यूएआरडीटी यह सुनिश्चित कर रहे हैं कि पारंपरिक ज्ञान और आधुनिक पोषण विज्ञान के लाभ ग्रामीण भारत के दिल तक पहुंचें।

# सीएमपी डिग्री कालेज में प्रतियोगिता का शुभारंभ

प्रयागराज। बी.ए. एलएल. बी. (ऑनर्स) सीएमपी डिग्री कॉलेज के विधि विभाग में ''लेक्स एरेना' सी०एम०पी० इंट्रा मूट कोर्ट प्रतियोगिता,2026' का औपचारिक शुभारंभ छात्रों के उत्साह और सक्रिय भागीदारी के साथ हुआ।

प्रिंसिपल प्रो. अजय प्रकाश खरे के दूरदर्शी मार्गदर्शन में प्रतियोगिता का आरंभ प्रथम दौर से हुआ, जिसमें विधि के इच्छुक छात्रों ने एक कृत्रिम न्यायालय कक्ष में अपने वकालत कौशल, कानूनी अनुसंधान और न्यायालय की कार्यप्रणाली का प्रदर्शन किया।

समन्वयक श्रीमती रेनू सिंह द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार, प्रतियोगिता के लिए 40 आवेदन प्राप्त हुए हैं। प्रतिभागियों ने संकाय सदस्यों में से युक्त जजों श्रीमती रेनू सिंह, श्री हिमांशु उपाध्याय एवं श्री पीयूष कुमारेन्द्र के पैनल के समक्ष जटिल कानूनी प्रस्तावों पर बहस की।

बी.ए.एलएल.बी. (ऑनर्स) कार्यक्रम के विभिन्न सेमेस्टर के छात्र सक्रिय रूप से भाग ले रहे हैं, जो उनकी गहरी रुचि और समर्पण को दर्शाता है। पूरे सत्र का वातावरण बौद्धिक रूप से प्रेरक रहा, जो संस्थान के भीतर विधि शिक्षा और उत्कृष्टता की मजबूत संस्कृति को दर्शाता है।

यह प्रतियोगिता कल यानी 25/04/2026 को एक और दौर के माध्यम से जारी रहेगी, जिसके परिणामस्वरूप अंततः सर्वश्रेष्ठ टीम एवं सर्वश्रेष्ठ वक्ता का चयन होगा।

# केजीएमयू फर्जी डॉक्टर कांड : लारी कार्डियोलॉजी विभाग के डीएम पास डॉक्टर संदेह के घेरे में, कॉर्डियो सेवा फाउंडेशन से तार जुड़े

लखनऊ, संवाददाता। केजीएमयू में 12वीं पास फर्जी डॉक्टर प्रकरण में नया मोड़ आ गया है। केजीएमयू प्रशासन व जांच एजेंसियां लगातार नए–नए खुलासे कर रही हैं। अब इस मामले में लारी कार्डियोलॉजी विभाग से डीएम की पढ़ाई कर चुके एक डॉक्टर की भूमिका संदिग्ध मानते हुए उसकी तलाश तेज कर दी गई है। जांच एजेंसियों को आशंका है कि यह डॉक्टर कॉर्डियो सेवा फाउंडेशन के नेटवर्क को सक्रिय बनाए रखने और उसके विस्तार में अहम कड़ी हो सकता है। यह डॉक्टर फाउंडेशन में अहम ओहदे पर था और लोगों को नेटवर्क से जोड़ने सहित अन्य संदिग्ध गतिविधियों का खाका खींचता था। फर्जी डिग्री से संगठित नेटवर्क तक पहुंची जांचइस पूरे प्रकरण में अब तक सामने आए तथ्यों ने जांच का दायरा और व्यापक कर दिया है। शुरुआती जांच में जहां केवल फर्जी डिग्री और फर्जी पहचान के सहारे मरीजों के इलाज का मामला सामने आया था, वहीं अब यह मामला एक संगठित नेटवर्क की ओर इशारा कर रहा है। इसी कड़ी में लारी कार्डियोलॉजी विभाग से डीएम कर चुके इस डॉक्टर का नाम सामने आने के बाद खुफिया एजेंसियां पूरी तरह सतर्क हो गई हैं।केजीएमयू के भीतर और बाहर दोनों जगह

सक्रिय थे संपर्कसंबंधित डॉक्टर लंबे समय तक केजीएमयू परिसर से जुड़ा रहा है। उसके कई संपर्क संस्थान के भीतर और बाहर दोनों जगह सक्रिय रहे हैं। जांच टीम अब उसके पुराने रिकॉर्ड, कॉल डिटेल्स, सोशल नेटवर्क, पेशेवर गतिविधियां और फाउंडेशन से जुड़ाव की बारीकी से जांच कर रही है। साथ ही यह भी पता लगाया जा रहा है कि क्या उसने किसी स्तर पर फर्जी डॉक्टरों को संरक्षण या मार्गदर्शन दिया था।आधिकारिक पुष्टि अभी बाकी, जांच जारीकेजीएमयू प्रशासन का कहना है कि अभी तक इस डॉक्टर की संलिप्तता को लेकर कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है। एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि जांच अभी जारी है। किसी भी निष्कर्ष पर पहुंचने से पहले सभी तथ्यों और साक्ष्यों का बारीकी से विश्लेषण किया जा रहा है। यदि कोई भी व्यक्ति दोषी पाया जाता है तो उसके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

# श्रमिकों के पीएफ, ग्रेच्युटी और बोनस में होगी वृद्धि, मई में लागू होंगे नए श्रम कानून

लखनऊ, संवाददाता। श्रम कानूनों को सरल बनाकर श्रमिकों के काम के घंटे, वेतन, पीएफ और ग्रेच्युटी में बदलाव होगा। श्रमिकों को न्यूनतम सुरक्षा भी मिलेगी। इसके लिए प्रदेश सरकार ने चार नई श्रम संहिताओं के क्रियान्वयन की प्रक्रिया तेज कर दी है। राज्य स्तर पर नियमों का मसौदा अधिसूचित कर हितधारकों से सुझाव और आपत्तियां लेने के लिए इसे सार्वजनिक डोमेन में रखा गया है। मिले सुझावों के आधार पर अंतिम नियमों को मई

में अधिसूचित किया जाएगा।

नई श्रम व्यवस्था के तहत 29 पुराने और जटिल श्रम कानूनों को समाप्त कर चार संहिताओं वेतन संहिता 2019, औद्योगिक संबंध संहिता 2020, व्यावसायिक सुरक्षा, स्वास्थ्य एवं कार्य दशाएं संहिता 2020 और सामाजिक सुरक्षा संहिता 2020 में समाहित किया गया है। इसके तहत सबसे बड़ा बदलाव वेतन की परिभाषा में किया गया है।

कर्मचारी के कुल वेतन (सीटीसी) का कम से कम 50 फीसदी हिस्सा मूल वेतन माना जाएगा। इससे पीएफ, ग्रेच्युटी और बोनस जैसी देनदारियों में बढ़ोतरी होगी।

इसके अलावा अब प्रबंधकीय और सुपरवाइजरी कर्मचारी भी कानूनी सुरक्षा के दायरे में आएंगे, जबकि ठेका श्रमिकों की जिम्मेदारी भी प्रमुख नियोक्ता पर तय की गई है।

## प्यारे प्यारे पुहुप

(छप्पय)

बिन स्वारथ साथी बने, गाएँ मंगल गान।
गुण यह सारे फूल के, रचते मधुर विधान।
रचते मधुर विधान, बैठ हरि के चरणों में।
सबको कहकर एक, रह रहे हर धर्मों में।
सुन लो कहें प्रदीप, हमेशा बन छायापथ।
भरकर प्रेम सुवास, पुष्प खिलते बिन स्वारथ।।

चाहे पुष्प गुलाब हो, या लतेर का फूल।
सबकी निज पहचान है, मौसम के अनुकूल।
मौसम के अनुकूल, करे परमारथ सारे।
प्यारे प्यारे पुहुप, लगें हर इक को न्यारे।
समझो इसे प्रदीप, सुमन सबको क्यों भाये।
हँसकर करते काम, वक्त जैसा भी चाहे।

**डॉ. प्रदीप चित्रांशी**
लूकरगंज, प्रयागराज

## सहयोग पब्लिक स्कूल में मनाया गया विश्व पृथ्वी दिवस, बच्चों को दिया पर्यावरण संरक्षण का संदेश

मथुरा। विश्व पृथ्वी दिवस के अवसर पर मथुरा के मोती कुंज स्थित सहयोग पब्लिक स्कूल में जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य नन्हे–मुन्ने बच्चों को पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूक करना रहा।

इस दौरान विद्यार्थियों को पेड़ों के महत्व, उनसे होने वाले लाभ तथा पर्यावरण संरक्षण के विभिन्न उपायों के बारे में विस्तार से

जानकारी दी गई। विद्यालय प्रांगण में पौधारोपण कार्यक्रम भी आयोजित किया गया, जिसमें प्रत्येक कक्षा के छात्रों को एक–एक पौधा लगाकर उसकी देखभाल की जिम्मेदारी सौंपी गई।

कार्यक्रम में विद्यालय की प्रधानाचार्य श्रीमती शशि वाला प्रजापति ने कहा कि छोटे बच्चों का मन अत्यंत कोमल होता है और इस अवस्था में दी गई सीख जीवनभर उनके साथ रहती है। वर्तमान समय में बढ़ते प्रदूषण को देखते हुए यह बेहद आवश्यक है कि नई पीढ़ी पेड़–पौधे लगाने और उनके संरक्षण के प्रति जागरूक हो। इस अवसर पर विद्यालय की शिक्षिका दीप्ति कुलश्रेष्ठ, पूनम सिंह सहित अन्य अध्यापिकाएं भी उपस्थित रहीं।

## सफाई कर्मचारी से मारपीट पर भड़के साथी, नारेबाजी और हंगामे के बीच काम बंद कर प्रदर्शन

लखनऊ, संवाददाता। नगर निगम के एक सफाई कर्मचारी के साथ मारपीट के मामले ने शुक्रवार को तूल पकड़ लिया। घटना के विरोध में सफाई कर्मियों ने कोतवाली पहुंचकर जोरदार घेराव किया। नारेबाजी प्रदर्शन कर अपनी आवाज बुलंद की। इस दौरान कर्मचारियों ने काम बंद कर दिया, जिससे इलाके की सफाई व्यवस्था भी प्रभावित रही। मामला चौक थाना क्षेत्र के याहियागंज इलाके का है। सफाई कर्मचारी नीरज कुमार सुबह करीब 9 बजे शिया कॉलेज के सामने नियमित सफाई कार्य में जुटे थे। इसी दौरान एक महिला द्वारा सड़क पर कूड़ा फेंका जा रहा था। कर्मचारी ने जब उसे रोकने का प्रयास किया तो विवाद शुरू हो गया। कर्मचारी की तहरीर में आरोप लगाया गया है कि महिला ने अपने परिचित आरिफ व एक अन्य को मौके पर बुला लिया। जिसके बाद दोनों ने मिलकर कर्मचारी के साथ गाली–गलौज की। विरोध करने पर नीरज के साथ मारपीट की गई और उसे जान से मारने की धमकी भी दी गई। मौके पर मौजूद लोगों ने किसी तरह बीच–बचाव कर मामला शांत कराया।घटना के बाद आक्रोशित सफाई कर्मियों ने कोतवाली पहुंचकर प्रदर्शन शुरू कर दिया। कर्मचारियों ने आरोपियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग करते हुए कहा कि जब तक न्याय नहीं मिलेगा, आंदोलन जारी रहेगा। पीड़ित कर्मचारी ने पुलिस को तहरीर देकर मुकदमा दर्ज करने और सुरक्षा मुहैया कराने की मांग की है। वहीं, पुलिस का कहना है कि मामले की जांच कर आवश्यक कार्रवाई की जाएगी।

## चारबाग में संदिग्ध उज्बेक महिला, पासपोर्ट-वीजा नहीं, दूतावास से पहचान भी कन्फर्म नहीं

लखनऊ, संवाददाता। उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ के चारबाग में करीब एक महीने पूर्व पुलिस और एलआईयू की मदद से एक संदिग्ध विदेशी महिला (32) को नाका पुलिस और एलआईयू ने पकड़ा था। पुलिस की पड़ताल में महिला के पास न तो वीजा मिला न ही पासपोर्ट। वह खुद के बारे में ज्यादा जानकारी भी नहीं दे पा रही है। पुलिस ने जब विदेशी क्षेत्रीय पंजीकरण कार्यालय अप्रवासी ब्यूरो (एफआरआरओ) की मदद से महिला की फोटो, फिंगरप्रिंट और रेटिना का परीक्षण दूतावास की मदद से कराया तो चौकाने वाली बात सामने आई। पता चला कि उज्बेकिस्तान के रिकार्ड में भी उस महिला के दस्तावेज नहीं मिले हैं। इसके बाद पानदरीबा चौकी प्रभारी नीरज कुमार सिंह की तहरीर पर नाका थाने में संदिग्ध महिला के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया है। थानाप्रभारी नाका अभिनव कुमार वर्मा के मुताबिक 21 मार्च को देर रात महिला चारबाग में खड़ी थी। पुलिस टीम गश्त कर रही थी। पुलिस टीम ने देखा कि महिला से लोग बात करते और आगे बढ़ जाते। संदिग्ध जान महिला पुलिस कर्मी को बुलाकर उसे पकड़ा गया। पूछताछ की गई तो उसने बताया कि उज्बेकिस्तान देश की राजधानी तासकंद के एंडिजन शहर की रहने वाली है। उसका नाम मुबीना है। महिला से जब उसका पासपोर्ट और वीजा मांगा गया तो वह भी नहीं मिला। तलाशी में न तो मोबाइल मिला न ही कोई अन्य दस्तावेज मिले। उसके परिवारीजनों और अन्य कुछ जानकारियां की गई तो उसने पुलिस का सहयोग नहीं किया न ही कुछ बताया। इसके बाद घटना की जानकारी एफआरआरओ को दी गई। महिला को वहां ले जाया गया। उसने वहां भी पूछताछ में बताया कि वह मुबीना पुत्री अब्दुल कादिर है। उज्बेकिस्तान की रहने वाली है। इसके आगे उसने कोई जानकारी नहीं दी। फिर महिला की फोटो, फिंगरप्रिंट लेकर दूतावास को जानकारी दी गई।

# सम्पादकीय.....

## पहलगाम का एक साल

जम्मू–कश्मीर के पहलगाम में ठीक एक साल पहले आतंकवादियों ने अंधाधुंध गोलियां बरसा कर 26 लोगों की हत्या कर दी थी। 14 फरवरी 2019 के पुलवामा हमले के बाद यह एक और बड़ी आतंकी वारदात थी, जिसमें जांच एजेंसियों की नाकामी और सुरक्षा में बड़ी लापरवाही सामने आई थी। पुलवामा हमले में भी सरकार आज सात बाद भी इस सवाल का जवाब नहीं दे पाई है कि सैनिकों को वायुमार्ग की जगह सड़क मार्ग से क्यों भेजा गया। बड़ी संख्या में विस्फोटक सामग्री लेकर एक कार किस तरह उस इलाके में पहुंच गई। जम्मू–कश्मीर जैसे संवेदनशील राज्य में इतना सारा विस्फोटक आ गया और जांच एजेंसियों को पता तक नहीं चला, इतनी बड़ी चूक कैसे हुई। बल्कि इन सवालों को उठाने वाले तत्कालीन राज्यपाल सत्यपाल मलिक के साथ मोदी सरकार का सलूक किस कदर निर्दयी रहा, यह भी देश ने देख लिया। ठीक ऐसे ही सवाल पहलगाम हमले के बाद भी उठे कि जिस बैसरन घाटी में बड़ी संख्या में पर्यटक मौजूद थे, वहां एक भी सुरक्षाकर्मी क्यों नहीं था। बंदूकों के साथ चार–चार आतंकवादी पहुंचते हैं, गोलियां बरसाते हैं, इस बीच स्थानीय दुकानदारों और घोड़ेवालों की मदद से लोग जान बचाने की कोशिश करते हैं और फिर जाकर सुरक्षाकर्मी पहुंचते हैं, यह सब क्या लचर प्रशासन को नहीं दिखाता है। याद रहे कि 2016 की नोटबंदी के वक्त प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा था कि इससे आतंकवाद की कमर टूटेगी, तो क्या टूटी कमर लेकर आतंकवाद ने दो–दो बार अपना घिनौना रूप नहीं दिखा दिया। 2019 में जम्मू–कश्मीर को दो हिस्सों में बांटकर और पूर्ण राज्य से केंद्रशासित प्रदेश बनाने के पीछे भी मोदी सरकार ने तर्क दिया था कि आतंकवाद पर लगाम लगेगी और राज्य के विकास में मदद होगी। लेकिन पहलगाम घटना के बाद लंबे वक्त तक पर्यटन उद्योग पूरी तरह ठप्प रहा, यह कड़वा सच सरकार अच्छे से जानती है और उस पर बात नहीं करती। अलबत्ता पहलगाम हमले के फौरन बाद जाति और धर्म की राजनीति भाजपा ने शुरु कर दी। आतंकियों ने धर्म पूछकर मारा, जाति नहीं, इस किस्म के सोशल मीडिया पोस्ट हुए। जब विरोध हुआ तो इन्हें हटाया गया। फिर ऑपरेशन सिंदूर होने की जानकारी देश को मिली, इस पर सारे विपक्ष ने भी सरकार का साथ दिया कि सीमा पार से आतंकवाद फैलाने की कोशिश का सबक पाकिस्तान को सिखाना ही चाहिए। पूरी मुहिम का सिंदूर नाम रखने पर भी इसे अच्छी पहल बताया गया कि जिन महिलाओं का सुहाग उजड़ा, उन्हें भरोसा मिलेगा कि दुख में उन्हें अकेला नहीं छोड़ा गया। पाकिस्तान के साथ व्यापारिक रिश्ते रोकने, सिंधु जल समझौता निलंबित करने जैसे कदम भी उठाए गए। लेकिन फिर यकायक ऑपरेशन सिंदूर रोका गया और देश को इसकी जानकारी डोनाल्ड ट्रंप ने पहले दी, बाद में प्रधानमंत्री ने दी। ट्रंप आज भी दावा करते हैं कि युद्धविराम उन्होंने करवाया और नरेन्द्र मोदी उनका नाम लेकर खंडन भी नहीं करते। ऑपरेशन सिंदूर पर दुनिया में अपना पक्ष मजबूत करने के लिए सर्वदलीय प्रतिनिधि मंडल सरकार ने भेजा, उसमें भी विपक्ष ने उनका साथ दिया। लेकिन यह भी जनता के पैसे पर सैर–सपाटे से ज्यादा कुछ नहीं निकला। देश ने देखा कि कैसे दूतावास में बैठकर प्रतिनिधिमंडल के सदस्यों ने शानदार रात्रिभोज और उसमें गाना–बजाना किया। यही सब करना था, तो देश में कर लेते। विदेशों में तो वैसे भी भारतीय दूतावास बने हुए हैं, जिनका काम देश का पक्ष मजबूत करना ही है। बहरहाल, पहलगाम पीड़ितों के जख्मों पर इतना नमक छिड़कना काफी नहीं था कि इसके बाद पाकिस्तान के साथ कई बार क्रिकेट मैच भी खेला गया। दिखावे के लिए यह देश के बाहर हुआ और पाक टीम से हाथ न मिलाने की नाटक–नौटंकी भी हुई, उन्हें चिढ़ाने के लिए बयान दिए गए। लेकिन आखिर में तो सबको पता था कि क्रिकेट से मिलने वाले मुनाफे में सबका हिस्सा बना हुआ है। बीसीसीआई हो या आईसीसी सब जगह मोदी सरकार, भाजपा के लोग शामिल हैं। पाकिस्तान को अलग–थलग करेंगे सरकार के इस दावे की हकीकत ये है कि आज पाकिस्तान की मध्यस्थता में ईरान और अमेरिका के बीच शांति वार्ता करवाने से लेकर युद्धविराम का ऐलान तक सब किया गया है। प्रधानमंत्री शाहबाज शरीफ और उनके सेनाध्यक्ष जनरल आसिम मुनीर पिछले एक साल में कई बार डोनाल्ड ट्रंप से मिले भी हैं और फोन पर बात भी की है। बल्कि इन दोनों को ट्रंप ने बाकायदा व्हाइट हाउस में लंच भी करवाया है। अभी 21 तारीख को ही आसिम मुनीर ने फिर ट्रंप से बात की और उसके बाद शाहबाज शरीफ ने बताया कि ईरान के साथ युद्धविराम बढ़ा दिया गया है। पाकिस्तान की इस कोशिश की चर्चा पूरी दुनिया में है और यूरोपीय यूनियन या खाड़ी देशों समेत तमाम देशों के प्रमुखों ने शाहबाज शरीफ से बात की है। कड़वा सच यही है कि जिस पाकिस्तान को बरसों बरस पूर्व प्रधानमंत्रियों ने वैश्विक स्तर पर सवालों के घेरे में रखा, आज उसकी पूछ–परख की जा रही है ।

# अस्थिर विश्व में भारत, अर्थनीति, कूटनीति और छवि का पुनर्पाठ

अरुण डनायक

वैश्विक परिदृश्य में इजरायल, अमेरिका और ईरान के बीच फरवरी के अंत में भड़के युद्ध ने अंतरराष्ट्रीय व्यवस्था को गहरे अस्थिरता के दौर में धकेल दिया, जिससे भारत भी अप्रभावित नहीं रहा। यद्यपि सर्वदलीय बैठक में विपक्ष ने सरकार को सहयोग का आश्वासन दिया और ईरान से संवाद स्थापित कर होर्मुज जलडमरूमध्य से तेल टैंकरों की आवाजाही सुनिश्चित करने में आंशिक सफलता मिली, जिससे ऊर्जा संकट को काफी हद तक टाला जा सका, फिर भी महंगाई, बेरोजगारी और शेयर बाजार में आई तीव्र गिरावट ने आम नागरिकों को आर्थिक रूप से प्रभावित किया, जिसकी भरपाई में समय लगेगा। इसी कालखंड में कुछ वैश्विक घटनाएं भारत के लिए मिश्रित संकेत लेकर आईं, जो यह दर्शाती हैं कि वर्तमान अंतरराष्ट्रीय परिदृश्य में भारत को अपनी कूटनीतिक रणनीति, आर्थिक सुदृढ़ता और वैश्विक भूमिकाकृतीनों पर गंभीर पुनर्विचार की आवश्यकता है। पाकिस्तान की मध्यस्थता में अमेरिका और ईरान के बीच शांति वार्ता का आरंभ एक महत्वपूर्ण घटनाक्रम है। इस संदर्भ में विदेश मंत्री की तात्कालिक प्रतिक्रिया बौद्धिक वर्ग में व्यापक स्वीकृति नहीं पा सकी। विदेश मंत्री जैसे राजनीतिक पद से स्वाभाविक रूप से अधिक संवेदनशील और व्यापक दृष्टिकोण की अपेक्षा होती है। ऐसे में उनका हालिया वक्तव्य अधिक उपयुक्त किसी पेशेवर राजनयिक के मुख से प्रतीत होता हैकृशायद यही कारण है कि पूर्व विदेश सचिव की उनकी प्रशासनिक दृष्टि अब भी उनके कथनों में झलकती है, जबकि मंत्री पद उससे कहीं अधिक राजनीतिक सूझबूझ की मांग करता है। यह स्थिति कहीं न कहीं भारत की कूटनीतिक सीमाओं को भी उजागर करती है, क्योंकि प्रधानमंत्री की विभिन्न वैश्विक नेताओं से निकटता के बावजूद भारत इस शांति पहल में निर्णायक भूमिका हेतु आवश्यक विश्वास और प्रभाव अर्जित नहीं कर सका। पिछले एक दशक में जब–जब विश्व में संघर्ष और अशांति बढ़ी, प्रधानमंत्री द्वारा श्यह युद्ध का युग नहीं हैश की बात तो बार–बार कही गई, किंतु उसके अनुरूप कोई ठोस शांति–योजना सामने नहीं आई। संयुक्त राष्ट्र में युद्धविराम प्रस्तावों पर मतदान से दूरी बनाकर भारत ने तटस्थता का संकेत देने का प्रयास किया, परंतु अंतरराष्ट्रीय समुदाय के एक हिस्से ने इसे निष्पक्षता के बजाय अनिर्णय के रूप में देखा। परिणामस्वरूप, जहां नेहरू युग में भारत कोरियाई और वियतनामी संकटों में मध्यस्थता के लिए जाना जाता था, वहीं आज उसकी वह भूमिका अपेक्षाकृत सीमित हो गई है। टाइम पत्रिका की 100 सर्वाधिक प्रभावशाली व्यक्तियों की सूची में रणबीर कपूर (अभिनेता), सुंदर पिचाई (सीईओ गूगल) और विकास खन्ना (पाककला) जैसे भारतीयों का शामिल होना निस्संदेह गौरव का विषय हैय किंतु पांच बार इस सूची में स्थान पा चुके प्रधानमंत्री मोदी का इस बार अनुपस्थित रहना विशेष रूप से तब ध्यान आकर्षित करता है, जब नेपाल और बांग्लादेश के अपेक्षाकृत नए नेतृत्व को इसमें स्थान मिला है। यह स्थिति भारत की उस उभरती वैश्विक छवि पर स्वाभाविक प्रश्न उठाती है, जिसे घरेलू विमर्श में बार–बार रेखांकित किया जाता रहा है, और अंतरराष्ट्रीय मान्यता व घरेलू दावों के बीच उभरती दूरी की ओर संकेत करती है।

इसके साथ ही वैश्विक अर्थव्यवस्था में भारत का स्थान चौथे से छठे पर खिसकना ध्यान आकर्षित करता है। इस उतार–चढ़ाव को समझने के लिए दो प्रमुख कारककृजीडीपी के आधार वर्ष में परिवर्तन और रुपये पर बढ़ता दबावकृ महत्वपूर्ण हैं। जीडीपी का आधार वर्ष 2011–12 से बदलकर 2022–23 करना भले ही एक तकनीकी सुधार हो, किंतु इससे अर्थव्यवस्था का आकार अपेक्षाकृत छोटा दिखाई देने लगा, जिससे वैश्विक स्तर पर भारत की आर्थिक स्थिति की धारणा प्रभावित हुई। साथ ही, अंतरराष्ट्रीय मानकों के अनुरूप सुधार की पृष्ठभूमि और पूर्व में आंकड़ों की विश्वसनीयता पर उठते प्रश्नों ने सांख्यिकीय साख पर भी अनावश्यक प्रश्नचिह्न खड़े किए। दूसरी ओर, उच्च तेल कीमतों, डॉलर की मजबूती और भू–राजनीतिक तनावों से रुपये पर बने दबाव ने डॉलर में मापी जाने वाली जीडीपी को सीमित किया, जिससे अंतरराष्ट्रीय रैंकिंग में गिरावट का आभास हुआ, जबकि घरेलू वृद्धि सुदृढ़ बनी रही। यह स्थिति मुख्यतरू विनिमय दर और सांख्यिकीय कारणों का परिणाम है। ऐसे में प्रश्न उठता है कि क्या भारतीय रिजर्व बैंक को अधिक सक्रिय हस्तक्षेप करना चाहिए था। यद्यपि उसने समय–समय पर बाजार में सीमित हस्तक्षेप कर अल्पकालिक दबाव को कुछ हद तक नियंत्रित किया, किंतु यह हस्तक्षेप रुपये की निरंतर गिरावट को रोक कर उसे अपेक्षित स्थिरता प्रदान करने में पूर्णतरू सफल नहीं हो सका। परिणामस्वरूप, नीति का प्रभाव संतुलनकारी तो रहा, पर निर्णायक नहीं बन सका।

इटली सहित यूरोप के कई देशों में सरकार और जनता के स्तर पर इजरायल के प्रति रुख में आया बदलाव यह संकेत देता है कि वैश्विक राजनीति में अब अंध–समर्थन के बजाय मानवीय और नैतिक प्रश्न अधिक प्रभावी हो रहे हैं। ऐसे परिदृश्य में भारत की पश्चिम एशिया नीति, जो औपचारिक रूप से संतुलन पर आधारित कही जाती है, व्यवहार में कई बार अस्पष्ट और अवसरवादी प्रतीत होती है। एक ओर इजरायल के साथ बढ़ता रणनीतिक सहयोग है, तो दूसरी ओर अरब देशों के साथ ऊर्जा और प्रवासी हितों की अनिवार्यताकृपरंतु इनके बीच अपेक्षित नैतिक स्पष्टता का अभाव दिखता है। घरेलू स्तर पर उभरने वाली सांप्रदायिक घटनाएं मुस्लिम जगत में भारत की छवि को प्रभावित करती हैं, जिससे विश्वास में सूक्ष्म दरारें पड़ती हैं। ईरान द्वारा तेल टैंकरों को अनुमति देने के संदर्भ में श्जनसमर्थनश्य का उल्लेख भी संकेत देता है कि वह केवल सरकार नहीं, बल्कि भारतीय समाज और जनमत को भी संबोधित करना चाहता हैकृअर्थात कूटनीति में सामाजिक धारणा की भूमिका बढ़ती जा रही है। इन परिस्थितियों में भारत के लिए आवश्यक है कि वह अपनी पश्चिम एशिया नीति को अधिक स्पष्ट, सुसंगत और नैतिक आधार प्रदान करे, ताकि बढ़ती भू–राजनीतिक जटिलताओं के बीच उसकी रणनीतिक स्थिति विश्वसनीय और संतुलित बनी रहेय अन्यथा श्रणनीतिक स्वायत्तताश की अवधारणा केवल एक औपचारिक और प्रतीकात्मक अभिव्यक्ति बनकर रह जायेगी। हंगरी में दक्षिणपंथी सरकार का प्रभाव कमजोर होना यह संकेत देता है कि लंबे समय तक एक वैचारिक धारा के प्रभुत्व के बाद मतदाता बदलाव की ओर झुकते हैं, विशेषकर जब आर्थिक, लोकतांत्रिक या संस्थागत मुद्दे उभरते हैं। वहीं नेपाल में सत्ता परिवर्तन प्रायरू आंतरिक अस्थिरता और गठबंधन–राजनीति का परिणाम है,

# समीक्षा: 'हर लम्हा कुछ कहता है.....' (काव्य संग्रह)

मनीषा पाल असम की रहने वाली हैं। हिंदी उनकी माँ–बोली नहीं है, फिर भी उन्होंने हिंदी में –हर लम्हा कुछ कहता है– नाम से बहुत ही प्यारा कविता संग्रह लिखा है। इसमें 60 से ज्यादा कविताएँ हैं।

'1. किताब में कौन–कौन से रंग हैं? मतलब कविताएँ किस बारे में हैं?'

मनीषा जी ने अपनी किताब को एक थाली की तरह सजाया है, जिसमें हर तरह का स्वाद है।

'क) औरत की ज़िंदगी, औरत की जुबानी'

यह इस किताब का सबसे मज़बूत हिस्सा है।

– –मैं नारी हूं, नारी सृष्टि की धरोहर, आत्मचिंतन में डूबा स्त्री–मन– इन कविताओं में मनीषा जी कहती हैं कि औरत सिर्फ घर का काम करने के लिए नहीं बनी। वह दुनिया बनाती है, सँभालती है। उसमें हिम्मत भी है और ममता भी।

– –एक आजन्मा बेटी के प्रश्न– यह कविता उन लड़कियों की आवाज़ है जो पैदा होने से पहले ही मार दी जाती हैं। बहुत दर्द भरी, पर ज़रूरी बात।

– –तवायफ की पुकार– समाज जिसे गलत नज़र से देखता है, मनीषा जी ने उस श्तवायफश का दर्द भी लिखा है। यह बताता है कि उनका दिल कितना बड़ा है। वे हर औरत का दर्द समझती हैं।

– –मां, मां की पुकार– माँ पर लिखी कविताएँ पढ़कर आँख भर आती है। माँ के बिना घर कैसा लगता है, यह उन्होंने बहुत सच्चाई से लिखा है।

'ख) भक्ति का रंगः भगवान मन में बसते हैं'

– –जय शिव शंकर, मृत्यंजय– मनीषा जी शिव की भक्त हैं। पर उनकी भक्ति डर वाली नहीं है। वे कहती हैं श्जब मन डगमगाया, भोलेनाथ को साथ ही पायाश। मतलब शिव उनके दोस्त की तरह हैं।

– –मैं मीरा बनूंगी– मीरा की तरह खुद को भगवान के हवाले कर देना। यह बताता है कि मनीषा जी ने हिंदी की भक्ति–कविताओं को खूब पढ़ा और समझा है।

– सबसे सुंदर बातः –मुझमें शिव और मैं शिव के अंदर– दृ यानी भगवान मंदिर में नहीं, हमारे अपने अंदर है। यह बहुत गहरी बात उन्होंने बहुत आसान तरीके से कह दी।

'ग) रिश्तों की मिठास और नोक–झोंक'

– –पिता– पापा पर बहुत कम कविताएँ लिखी जाती हैं। मनीषा जी ने पापा का प्यार, उनकी चिंता, सब याद किया है।

– –ढाई आखर इश्क का, तुम्हारे लिए, इंतज़ार... तब से अब तक, एक बार फिर कह दें– दृ ये सब प्यार–मोहब्बत की कविताएँ हैं। इनमें इंतज़ार है, शिकायत है, और प्यार का इज़हार भी है। श्ढाई आखरश यानी श्प्रेमश शब्द दृ कबीर की याद दिला देता है।

'घ) समाज का आईना'

मनीषा जी सिर्फ अच्छी–अच्छी बातें नहीं करतीं। समाज की कड़वी सच्चाई भी लिखती हैं।

– –भूख– गरीब आदमी की भूख का दर्द।

– –मानव से दानव– आदमी कैसे लालच में आकर हैवान बन जाता है।

– –शहीद को प्रणाम– देश के लिए जान देने वाले फौजी भाइयों को याद किया है।

– –जय मानवता की जय– दृ आखिर में कहती हैं कि इंसानियत सबसे बड़ा धर्म है।

'ङ) असम से हिंदी तकः दो दिलों का मेल'

यही मनीषा जी की सबसे बड़ी पहचान है।

– –विश्वनाथ घाट के प्राण ब्रह्मपुत्र– असम में बहने वाली ब्रह्मपुत्र नदी को उन्होंने पिता तुल्य श्प्राणश कहा है। तेज़पुर का विश्वनाथ घाट उनके गाँव–घर की याद है। यानी वे अपनी जड़ों से जुड़ी हैं।

– –भाषा जननी हिंदी– और फिर हिंदी को श्माँश कहती हैं। एक असमिया लड़की का हिंदी को माँ कहना दृ इससे बड़ा प्यार और क्या होगा? वे बता रही हैं कि भाषा लड़ाती नहीं, मिलाती है।

'च) छोटी बातों में बड़ी सीख'

किताब का नाम ही –हर लम्हा कुछ कहता है– है।

– –जब जागो तभी सवेरा है– मतलब कभी भी नई शुरुआत कर सकते हो। देर कभी नहीं होती।

– –अंधेरे में आशा, समय बहता है, जिंदगी– ये सब कविताएँ कहती हैं कि मुश्किल समय में भी हिम्मत मत हारो। वक्त बीत जाएगा।

– –3 लघु कविताएंः चांद का प्यार, बस यूंही, इक बूंद प्यार– बहुत छोटी–छोटी कविताएँ, पर बात बहुत बड़ी। जैसे श्इक बूंद प्यारश से भी प्यास बुझ सकती है।

–––

'2. मनीषा पाल जी की इस अनमोल काव्य रचना रचित करने के लिए साधुवाद क्योंकि'

1. 'हिम्मत की मिसालरू' दूसरी भाषा में लिखना, और वो भी कविता – यह शेर के मुँह में हाथ डालने जैसा है। मनीषा जी ने यह कर दिखाया। असम से उठकर हिंदी साहित्य में नाम कमाना बहुत बड़ी बात है।

2. 'दिल की साफः' उनकी कविताओं में बनावटीपन नहीं है। जो दिल में आया, वही लिखा। इसीलिए पढ़ने वाला तुरंत जुड़ जाता है। उन्हें लगता है श्अरे, यह तो मेरी कहानी है।

3. 'नज़र सब परः' वे सिर्फ बड़े लोगों के बारे में नहीं लिखतीं। –तवायफ, भूखा इंसान, शहीद, माँ, बेटी– दृ सबको अपनी कविता में जगह दी है। यानी उनका दिल बहुत बड़ा है और नज़र बहुत पैनी।

4. 'हिंदी को नया तोहफारू' हिंदी मातृभाषा न होने पर भी वे जब –भाषा जननी हिंदी– लिखती हैं, तो हिंदी खुद भी इतराने लगती है। मनीषा जी जैसी लेखिकाएँ हिंदी को पूरे भारत की भाषा सच में बना देती हैं।

5. 'संस्कृति की दूतरू' वे असम की संस्कृति को हिंदी में लेकर आई हैं। –ब्रह्मपुत्र– पर हिंदी में कविता लिखकर उन्होंने लाखों हिंदी पाठकों को असम से जोड़ दिया। यह काम कोई राजदूत ही कर सकता है।

'3.यह किताब क्यों पढ़ें?'

1. 'मन हल्का करने के लिएरू' जब मन उदास हो, तो –जब जागो तभी सवेरा है– पढ़ लीजिए। हिम्मत आ जाएगी।

2. 'रिश्तों को समझने के लिएरू' –मां, पिता, ढाई आखर इश्क का– पढ़कर अपने घर वालों की कदर और बढ़ जाएगी।

3. 'देश को जानने के लिएरू' –विश्वनाथ घाट के प्राण ब्रह्मपुत्र– पढ़कर असम को जानिए। –भाषा जननी हिंदी– पढ़कर हिंदी से प्यार और बढ़ेगा।

4. 'औरत को समझने के लिएः' हर आदमी को –एक आजन्मा बेटी के प्रश्न– और –मैं नारी हूं– ज़रूर पढ़नी चाहिए।

'आखिरी बातः एक सलाम मनीषा जी के नाम'

–हर लम्हा कुछ कहता है– सिर्फ कागज़ पर लिखे शब्द नहीं हैं। यह एक लड़की का सपना है जिसने कहा कि श्भाषा कोई भी हो, अगर भाव सच्चे हैं तो कविता बन ही जाती हैश।

मनीषा पाल जी ने यह साबित किया है कि हुनर को सरहद, भाषा या प्रांत में नहीं बाँधा जा सकता। असम की बेटी ने हिंदी माँ की गोद को अपनी कविताओं से भर दिया है। इसके लिए वे सच्ची बधाई की हकदार हैं।

हम दुआ करते हैं कि मनीषा जी ऐसे ही लिखती रहें और एक दिन हिंदी साहित्य का बहुत बड़ा नाम बनें।

'सादर'

चन्द्र प्रकाश सन्त
समीक्षक
ओएनजीसी, जोरहाट (असम)
मो.9760684389

## सीमा वर्णिका की कलम से' 'खाने का डिब्बा'

नंदू दरवाजे की ओट से अम्मा बाबू की बातें सुन रहा था।

श्नंदू के बाबू तुम एक खाने का डब्बा ..काहे नांहि लै लेत ..रोज खाना लिये बिगैर काम पर जात हौ श्अम्मा कह रही थीं।

शअरे काहे पाछै परी रहती हो.. घरै से खाके तो जात हैं,श बाबू ने जवाब दिया।

शकानी कौड़ी बचती नहीं डब्बा लई लो ,श बड़बड़ाते हुए नंदू का बाबू घर से बाहर निकल गया।

थोड़ी देर में नंदू भी सड़कों पर घूमने लगा।

शका करूं पल्ले नहीं पड़ता..पइसा कमाय लागूं, श नन्हा नंदू उधेड़बुन में लगा था।

उसे दूर एक लड़का एक आदमी का जूता साफ करता दिखा कुछ सोच कर उसकी आँखों में चमक आ गई। उसने फुर्ती से अपनी कमीज़ उतारी।

शसाहब जूता साफ करा लो,श नंदू गिड़गिड़ाया।

श्भाग यहाँ से.. नहीं साफ कराना जूता,श आदमी ने दुत्कारते हुए कहा।

नंदू निराशा में डूबा फिर भटकने लगा। कुछ दूर एक गाड़ी आकर रुकी वह उधर लपका।

श्बाबूजी ! गाड़ी साफ कर दे ,श्वह दयनीय स्वर में बोला।

श्अरे रे.. नहीं करानी साफ ..,श्झल्लाकर कार मालिक बोला।

नंदू की आँखों में ऑसू आ गए। यह देख साथ बैठी महिला को दया आ गई।

शआओ साफ कर दो गाड़ी,श वह नंदू से बोली।

नंदू उत्साह से गाड़ी साफ करने लगा।

दस का नोट बढ़ाते हुए महिला बोली,श अब खुशश।

नंदू मुस्कुरा दिया।

दिन भर वह जुगत लगाता रहा.. उसकी अम्मा परेशान उसे ढूँढती ढूँढती वहाँ आ गई।

श्क्यों रे ..खाना–वाना नहीं खावन का है का.. कब से राह देखत हैं तोहार .. ससुरा यहाँ बोराया घूम रहा.. घरै चल,श अम्मा गुस्से में बोली।

नंदू अपनी जेब संभालते हुए अम्मा के पीछे पीछे चल दिया।

उसने घर में किसी को कुछ नहीं बताया अभी उसके पास बस पचास रूपये हुए थे। उसे अभी कुछ और रुपए चाहिए थे। अब रोज ही नंदू धीरे से बाजार निकल जाता और छोटे–मोटे काम करके पैसा जोड़ता।

चार पाँच दिन बीत गए।

शभैया खाने का डब्बा लेना था,श उसने डरते डरते दुकानदार से पूछा।

श्क्या चाहिए ..डब्बा,श दुकानदार ने उसे घूरते हुए पूछा

शसौ रूपये का है पैसे लाए हो,श दुकानदार ने नंदू की ओर देखते हुए कहा।

शहाँ भैया.. यह लो..,श कहते हुए नंदू ने टुड़े मुड़े दस बीस के नोट उसे पकड़ा दिए।

नंदू डब्बा लेकर बहुत खुश था। वह दूसरी दुकान पर गया।

शभैया अम्मा के लाने धोती लेनी थी,श वह धीरे से बुदबुदाया।

श्कित्ती वाली चाहिए,श दुकानदार ने लापरवाही भरे लहजे में पूछा ।

नंदू ने अपनी मुट्ठी के सारे पैसे दुकानदार के सामने रख दिए ।

श्इत्ते ही हैं भैया.. एक धोती दे दो.. अम्मा की धोती फट गई है ,श्कहकर सुबक पड़ा नंदू ।

दुकानदार ने पैसे गिने डेढ़ सौ के करीब थे। उसने एक रंगीन धोती नंदू को थमा दी।

नंदू उत्साह से तेज तेज कदम चलते हुए घर जा पहुँचा ।

अम्मा बाबू बैठे कुछ बात कर रहे थे।

श्अम्मा.. अम्मा ..बाबू ..देखो हम का लाएँ हैं तोहार खातिर,श नंदू खुश होकर बोला।

उसने सारा सामान उनके सामने रख दिया।

एक झन्नाटेदार तमाचा उसके गाल पर पड़ा वह अकबका गया।

श्काहे चोरी करना सीख गया बे,श बाबू चिल्ला रहे थे।

श्तभी सारा दिन सड़क पर मारा मारा फिरता था ,श्अम्मा ने सुर मिलाया।

नंदू फूट–फूट कर रो रहा था। तभी पड़ोस वाले तिवारी उधर से निकले

श्अरे ! काहे मार रहे हो लड़के को,श वह चिल्लाए।

श्अरे ! तिवारी बाबू ..हम दिन भर जान होमते अउर यह लरका चोरी करना सीख रहा,श सामान की ओर इशारा करते हुए नंदू का बाबू बोला।

नहीं भाई ..पगलाओ न.. यह तुम्हारा लड़का चोर नहीं हीरा है,श तिवारी बोले।

पिछले चार दिनों से भूखा प्यासा बाजार में छोटे–छोटे काम करके पैसे जोड़ रहा था..कहता था अम्मा बाबू के लिए कुछ जरूरी सामान लेना है और तुम ..

हे भगवान! हम नाशपिटे ठहरे ..अपन फूल से बचवा पर हाथ छोड़े,श्पछताते हुए नंदू का बाबू सिर पकड़ कर बैठ गया।

अम्मा ने नंदू को बाहों में भर लिया।

आज नन्हा नंदू बड़ा हो गया था अब उसे मार का दुरूख नहीं हो रहा था बल्कि खुशी की कि उसके बाबू अब खाना ले जा पाएंगे और अम्मा को फटी धोती नहीं पहननी पड़ेगी।

सीमा वर्णिका,
कानपुर

# थोड़ा दूर का सोचना चाहिए, सलमान ने बताया कब रिलीज होगी अगली फिल्म ?

> सलमान खान ने कैप्शन लिखा है, थोड़ी दूर का सोचना चाहिए, इसलिए ईद पर इस फिल्म की रिलीज का एलान किया गया है। चिंता मत करो इस वाली का भी बताएंगे, जब समय सही होगा।

अभिनेता सलमान खान इन दिनों अपनी फिल्म मातृभूमि को लेकर सुर्खियों में हैं। इस बीच उन्होंने एक और फिल्म पर काम शुरू कर दिया है। भाईजान की इस फिल्म के निर्देशन की कमान वामशी पेडिपल्ली ने संभाली है। बीते दिनों इसकी शूटिंग शुरू हुई है। सलमान खान के साथ नयनतारा इसमें लीड रोल में हैं। आज शुक्रवार को सलमान खान ने फिल्म की रिलीज डेट का एलान कर दिया है। सलमान खान और नयनतारा की इस फिल्म का टाइटल अभी तय नहीं है और अस्थाई रूप से इसे ँटब63 कहा जा रहा है। बीते दिनों पूजा सेरेमनी के बाद फिल्म की शूटिंग शुरू हुई। आज शुक्रवार को सलमान खान ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट से पोस्ट साझा कर बड़े ही दिलचस्प अंदाज में फिल्म की रिलीज डेट से पर्दा उठा दिया है। यह फिल्म अगले साल ईद पर दस्तक देगी। सलमान खान ने कैप्शन लिखा है, श्थोड़ी दूर का सोचना चाहिए, इसलिए ईद पर इस फिल्म की रिलीज का एलान किया गया है। चिंता मत करो इस वाली का भी बताएंगे, जब समय सही होगा। ध ैर्य, थोड़ा सा सब्र। मेरे जितना ही इंतजार करना पड़ेगा। बहरहाल जो आपका हाल है वो मेरा भी हाल है। हाहाश। बता दें कि इस फिल्म को दिल राजू प्रोड्यूस कर रहे हैं। सलमान खान ने फिल्म की रिलीड डेट पर जैसे ही अपडेट साझा किया, उनके फैंस उत्साहित हो गए हैं। वे अपने चहेते सितारे के धांसू कमबैक का इंतजार कर रहे हैं। वहीं, कुछ यूजर्स दावा कर रहे हैं कि यह फिल्म धुरंधर 2 का रिकॉर्ड तोड़ देगी। दिल राजू की फिल्म करने से पहले सलमान मातृभूमिरू मे वॉर रेस्ट इन पीस में नजर आएंगे। पहले इसका नाम 'बैटल ऑफ गलवां' था, लेकिन अब बदल गया है। फिल्म को पहले 17 अप्रैल को रिलीज किया जाना था, लेकिन फिलहाल फिल्म आगे टल गई है।

## अनुभव सिन्हा की ये 5 फिल्में बताती हैं भारतीय कानून की असली तस्वीर, सिस्टम पर उठाती हैं बड़े सवाल

फिल्मकार अनुभव सिन्हा ने हिंदी सिनेमा में अपनी विशिष्ट पहचान उन कथाओं के माध्यम से स्थापित की है, जो सत्ता, न्याय और सामाजिक विषमता पर प्रश्न उठाती हैं। हाल के वर्षों में उनकी रचनाएँ भारतीय कानून की जटिलताओं से गहराई से संवाद करती दिखाई देती हैं, जहाँ न्यायालयीन संघर्ष, संवैधानिक अधिकार और संस्थागत कमजोरियाँ स्पष्ट रूप से उभरकर सामने आती हैं। यहाँ उनकी पाँच महत्त्वपूर्ण फिल्में प्रस्तुत हैं।

1. अस्सी

एक प्रभावशाली न्यायालयीन नाटक, अस्सी रहस्यमयी यौन उत्पीड़न के अनेक मामलों के इर्द–गिर्द घूमती है, जो जाँच–प्रक्रिया और विधिक व्याख्याओं दोनों को चुनौती देते हैं। जब एक अन्वेषक और प्रतिरक्षा पक्ष की टीम मामले की तह तक पहुँचने का प्रयास करती है, तब कथा आँकड़ों से आगे बढ़कर व्यवस्था में निहित असुविधाजनक सत्य को उजागर करती है। ताप्सी पन्नू अभिनीत यह फिल्म इस बात पर प्रकाश डालती है कि विधि संवेदनशील अपराधों से किस प्रकार जूझती है साक्ष्य, पक्षपात और प्रमाण के भार जैसे प्रश्नों को केंद्र में रखते हुए। साथ ही, यह उन मानवीय पीड़ाओं को भी सामने लाती है, जो प्रायः समाचारों की सुर्खियों में ओझल हो जाती हैं।

2. आर्टिकल 15

वास्तविक घटनाओं से प्रेरित आर्टिकल 15 एक पुलिस अधि ाकारी की कथा है, जो दलित बालिकाओं के लापता होने की जाँच करते हुए गहरे पैठे सामाजिक भेदभाव का सामना करता है। फिल्म का शीर्षक भारतीय संविधान के आर्टिकल 15 आफ द इंडिया से लिया गया है, जो धर्म, जाति, लिंग या जन्मस्थान के आधार पर भेदभाव को निषिद्ध करता है। यह फिल्म दर्शाती है कि संवैधानिक आदर्श और सामाजिक यथार्थ के बीच कितना गहरा अंतर विद्यमान है।

3. थप्पड

एक साधारण प्रतीत होने वाली घरेलू हिंसा की घटना एक थप्पड़ से आरम्भ होकर व्यापक विधिक और नैतिक विमर्श का रूप ले लेती है। यह फिल्म एक स्त्री के तलाक लेने के निर्णय के माध यम से यह प्रश्न उठाती है कि समाज किस प्रकार हिंसा को सामान्य बना देता है। न्यायालयीन प्रक्रियाओं और भावनात्मक घटनाक्रमों के माध्यम से, यह व्यक्तिगत गरिमा और वैवाहिक समानता की रक्षा में विधि की भूमिका को रेखांकित करती है।

4. मुल्क

एक सशक्त न्यायालयीन नाटक, डनसा पहचान, पूर्वाग्रह और न्याय के प्रश्नों को केंद्र में रखती है। कथा एक मुस्लिम परिवार के इर्द–गिर्द घूमती है, जिस पर एक आतंकवादी को शरण देने का आरोप लगाया जाता है। यह फिल्म न्यायपालिका की उस भूमिका को प्रस्तुत करती है, जहाँ सत्य की पुनर्स्थापना का प्रयास किया जाता है, साथ ही यह भी दर्शाती है कि सामाजिक पूर्वाग्रह विधिक प्रक्रियाओं को किस प्रकार प्रभावित करते हैं।

5. भीड़

यद्यपि भीड पारंपरिक अर्थों में न्यायालयीन नाटक नहीं है, तथापि यह भारतीय विधि और शासन की वास्तविकताओं से गहराई से जुड़ी हुई है। कोविड–19 लॉकडाउन की पृष्ठभूमि में स्थापित यह फिल्म दर्शाती है कि आपातकालीन परिस्थितियों में जारी विधिक आदेशों का जमीनी स्तर पर क्या प्रभाव पड़ता है। इसका मूल संवैधानिक अधिकारों विशेषतः आवागमन की स्वतंत्रता और मानवीय गरिमा तथा राज्य की शक्ति के मध्य अंतर्विरोध को उजागर करना है। यह फिल्म विधि के क्रियान्वयन में विद्यमान असमानताओं और विसंगतियों को सामने लाती है।

# माइकल' फिल्म की रिलीज पर उत्साहित अनुपम खेर, जैक्सन संग पुरानी तस्वीर की साझा कहा- `एक सपने जैसा था



> हम धन्य हैं कि आप इस धरती पर आए और अपनी कला, अपनी मासूमियत और अपनी प्रतिभा से लाखों लोगों के जीवन को छुआ। आप दुनिया का आठवां अजूबा थे और हमेशा रहेंगे।'

अनुपम खेर सोशल मीडिया पर अपने करियर और जिंदगी से जुड़ी अनसुनी बातें और यादों को साझा करते हैं। शुक्रवार को उन्होंने अमेरिकी सॉन्ग राइडर और डांसर माइकल जैक्सन के साथ हुई वर्षों पुरानी मुलाकात को याद किया। आज माइकल जैक्सन पर बनी एक हॉलीवुड फिल्म 'माइकल' भी रिलीज हुई। इस मौके पर अनुपम खेर ने माइकल जैक्सन की शख्सियत के बारे में बात की, 30 साल पहले मुंबई में हुई खास मुलाकात के अनुभव को भी साझा किया है। शुक्रवार को अनुपम खेर ने एक पोस्ट साझा की, इसमें वह माइकल जैक्सन से हाथ मिला रहे हैं। इस पोस्ट के साथ एक लंबा–चौड़ा कैप्शन भी अभिनेता ने लिखा। वह कहते हैं, 'डियर माइकल जैक्सन, यह तस्वीर सिर्फ एक याद नहीं है, एक कभी न भूलने वाली फीलिंग है। मुझे आज भी वह पल याद है, जब मैंने मुंबई में आपसे हाथ मिलाया था। उस एक पल के लिए, मेरे अंदर का फैन पूरी तरह से मुझ पर हावी हो गया था। यह एक सपने जैसा था, लगभग अविश्वसनीय, जैसे किसी जादू को छू लिया हो।'

आगे अपनी पोस्ट में अनुपम खेर ने माइकल जैक्सन के बारे में लिखा, 'आप सिर्फ एक कलाकार नहीं थे। आप एक एक्सपीरियंस थे। एक ऐसी हस्ती जिसे शायद दुनिया फिर कभी न देख पाए। सच में अगले हजार साल तक आपके जैसा कोई नहीं होगा। हम धन्य हैं कि आप इस धरती पर आए और अपनी कला, अपनी मासूमियत और अपनी प्रतिभा से लाखों लोगों के जीवन को छुआ। आप दुनिया का आठवां अजूबा थे और हमेशा रहेंगे।' हाल ही में अनुपम खेर ने बताया कि वह अपने करियर की 550वीं फिल्म खोसला का घोंसला–2 कर रहे हैं। इस फिल्म में उनके साथ बोमन ईरानी भी नजर आएंगे। पिछले दिनों अनुपम खेर ने इस फिल्म की शूटिंग गुरुग्राम, दिल्ली में की थी। फिल्म 'खोसला का घोंसला 2' में अनुपम खेर, बोमन ईरानी के अलावा किरण जुनेजा, रणवीर शौरी, परवीन डाबास और तारा शर्मा जैसे एक्टर्स भी नजर आएंगे।

## रणवीर सिंह को कोई को–एक्टर पीछे नहीं छोड़ सकता, 'धुरंधर' की एक्ट्रेस सारा अर्जुन ने की जमकर तारीफ

रणवीर सिंह को लेकर इंडस्ट्री में एक जैसी राय देखने को मिलती है चाहे वह उनके को–स्टार्स हों, तकनीशियन हों या क्रू मेंबर्स। सभी का मानना है कि उनकी सुपरस्टारडम सिर्फ उनकी शानदार एक्टिंग का नतीजा नहीं है, बल्कि उनकी विनम्र और सहयोगी पर्सनैलिटी भी इसकी बड़ी वजह है। उनके साथ काम कर चुके लोग उन्हें एक आत्मविश्वासी और सुरक्षित अभिनेता बताते हैं, जो हर प्रोजेक्ट को टीमवर्क के तौर पर देखते हैं। ध ुरंधर की जबरदस्त सफलता के बाद रणवीर सिंह ने इंडस्ट्री में अपनी पकड़ और मजबूत कर ली है। फिल्म लगातार बॉक्स ऑफिस पर नए रिकॉर्ड बना रही है और दर्शकों से शानदार प्रतिक्रिया हासिल कर रही है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, इस फिल्म ने हिंदी नेट बॉक्स ऑफिस पर ध्1000 करोड़ का आंकड़ा पार कर इतिहास रच दिया है, जिससे रणवीर सिंह को एक अलग पहचान मिली है। फिल्म में उनकी पत्नी यालिना जमाली का किरदार निभाने वाली सारा अर्जुन ने रणवीर सिंह के साथ काम करने का अनुभव साझा करते हुए कहा, "कोई भी कभी रणवीर सिंह को को–एक्टर के रूप में पीछे नहीं छोड़ पाएगा। वह मानते हैं कि यह सिर्फ उनकी फिल्म नहीं, बल्कि पूरी टीम की फिल्म है। वह तकनीशियनों, स्पॉट बॉयज और हर क्रू मेंबर के साथ बराबर सम्मान और गर्मजोशी से पेश आते हैं और कभी अपनी सीनियरिटी का दिखावा नहीं करते। रणवीर सिंह की यह छवि इंडस्ट्री में व्यापक रूप से सराही जाती है। वह सिर्फ एक बेहतरीन अभिनेता ही नहीं, बल्कि एक ऐसा कलाकार बनकर उभरे हैं जो सेट पर सकारात्मक और सहयोगी माहौल बनाते हैं। उनकी यही खासियत उन्हें बाकी सितारों से अलग बनाती है।

# एयरपोर्ट पर कैमरों से बचते दिखे सैयारा स्टार्स अहान पांडे और अनीत पड्डा

फिल्म सैयारा के बाद से ही अहान पांडे और अनीत पड्डा के रिलेशनशिप में होने की चर्चाएं जारी हैं। फिल्म में दोनों कपल के तौर पर नजर आए थे। अब इसके बाद दोनों एक्टर्स एयरपोर्ट पर स्पॉट किए गए। इसके बाद दोनों सोशल मीडिया पर सुर्खियों में आ गए हैं। वीडियो में दोनों एक्टर्स को जल्दी–जल्दी चलते हुए देखा गया, जहां उन्होंने अपने चेहरे मास्क और हाथों से ढक रखे थे ताकि कैमरों से बच सकें। जैसे ही पैपराजी ने उन्हें घेरा, दोनों थोड़े असहज नजर आए और बिना ज्यादा रुकावट के आगे बढ़ते दिखे। अनीत पड्डा ने इस दौरान टी–शर्ट, व्हाइट शर्ट और जींस पहनी हुई थी, जबकि अहान पांडे ब्लू हुडी और जींस में नजर आए। दोनों ने मास्क भी लगाया हुआ था। वीडियो सामने आते ही फैंस के बीच हलचल मच गई। कई लोगों ने दोनों की जोड़ी को लेकर एक्साइटमेंट जताया, वहीं कुछ ने कहा कि नए स्टार्स होने की वजह से वे अभी पब्लिक अपीयरेंस में सहज नहीं हैं। फिल्म 'सैयारा' की सफलता के बाद दोनों लगातार सुर्खियों में हैं और अब उनकी अगली फिल्म को लेकर भी काफी चर्चा हो रही है। खबरें हैं कि दोनों स्टार्स फिर से मोहित सूरी की अगली लव स्टोरी में नजर आएंगे।

# किचन में मिलने वाली ये एक चीज है सारा अली खान के मक्खन जैसे स्मूथ गालों का सीक्रेट !

सारा अली खान बॉलीवुड इंडस्ट्री की यंग एक्ट्रेस हैं और लाखों युवाओं की चहेती भी हैं। एक्ट्रेस को सुंदरता जेनेटिकली मिली है, क्योंकि वो अमृत सिंह की बेटी हैं, जिनके हुस्न का दीवाना एक समय पर पूरा देश हुआ करता था। लेकिन खूबसूरती विरासत में मिलने के बाद उसे बनाए रखना भी एक चुनौती है। सारा ये बात बहुत अच्छे से समझती हैं। इसलिए

एक्ट्रेस मार्केट बेस्ट ब्यूटी प्रॉडक्ट्स की जगह घरेलू नुस्खों का इस्तेमाल करती हैं। एक्ट्रेस अक्सर कहती हैं कि स्किन केयर, बॉडी केयर के घरेलू नुस्खे उन्हें अपनी मम्मी से सिखने को मिले हैं। सारा इन इन क्ल टिप्स का महत्व बहुत अच्छे से समझती हैं।आज हम आपको एक्ट्रेस की इन्हीं स्किन केयर सीक्रेट के बारे में बताएंगे...

चेहरे पर ये लगाती हैं सारा अली खान

अपने घने बालों और ग्लोइंग स्किन के बारे में बात करते हुए एक्ट्रेस ने बताया, श्अनियन मेरा फेवरिट क्ल सीक्रेट है, मैं इसे अपने बालों और स्किन पर लगाती हूं। आपको बता दें कि रिसर्च में ये पाया गया है कि प्याज का फेस पैक बनाकर लगाने से स्किन पर मैजिकल रिजल्ट देखने को मिलते हैं।आज तक आपने सिर्फ बालों पर प्याज लगाने के बारे में सुना और पढ़ा होगा। हो सकता है आपने इसे ट्राई भी किया हो। अगर किया है तो जाहिर तौर पर शानदार रिजल्ट मिले होंगे। लेकिन बालों के साथ ही स्किन के लिए भी प्याज एक शानदार हर्बल फूड है। यहां आपके लिए प्याज का फेस मास्क बनाने की एक आसान विधि शेयर कर रहे हैं, जिससे इसे स्किन पर लगाने के बाद आपको जलन ना हो। लेकिन इससे पहले आप प्याज को स्किन पर लगाने के फायदे जान लें...

प्याज सल्फर से भरपूर होती है और ऐक्ने प्रोन स्किन को हेल्दी रखने के लिए सल्फर बहुत जरूरी है।

प्याज स्किन पर लगाने से कॉम्प्लेक्शन फेयर बनता है यानी रंगत में निखार आता है।

विटामिन–ए, सी, ई से भरपूर होने के कारण प्याज को चेहरे पर लगाने से ऐंटिएजिंग प्रॉडक्ट्स के गुण मिलते हैं।

प्याज में फोटो इफेक्ट और ऐंटिएजिंग इफेक्ट होने से यह अल्ट्रा वायलेट रेज से बचाती है और स्किन को सालों–साल जवां रखती है।

त्वचा पर बहुत दाग–धब्बे हों तो प्याज से तैयार फेस पैक लगाने से सिर्फ 2 हफ्ते में रिजल्ट मिलने लगता है।

स्किन बहुत ऑइली या बहुत सेंसेटिव है तो प्याज का रस लगाएं, सभी तरह के बैक्टीरियल और फंगल इंफेक्शन दूर रहेंगे।

कैसे बनाएं प्याज का फेस पैक

प्याज को पीसकर या कद्दूकस करके इसका जूस निकाल लें।

डेढ़ चम्मच प्याज का जूस लें, बाकी बचे हुए को फ्रिज में स्टोर कर लें, आप इसे अगले दो दिन तक उपयोग कर सकती हैं. नहीं तो सब्जी में यूज कर लें।

एक चम्मच नींबू का रस लें।

एक चम्मच शहद लें।

एक से डेढ़ चम्मच बेसन लें।

सभी चीजों को मिलाकर पेस्ट तैयार करें। इस पेस्ट को एक थोड़ी मोटी परत के रूप में चेहरे और गर्दन पर लगाएं और 25 मिनट बाद चेहरा धो लें।

हप्ते में तीन बार इस फेस पैक का यूज करें और सिर्फ दो सप्ताह में फर्क देखने को मिलेगा।

# विदेश घूमने के बजट को लेकर हो रहे हैं परेशान, इन हैक्स से ट्रैवल का खर्च करें आधा

हर किसी का सपना होता है कि वह देश ही नहीं बल्कि विदेश की भी सैर करे। कुछ अपने पैरेंट्स के साथ तो कुछ अपने पार्टनर के साथ विदेश घूमने की इच्छा रखते हैं। लेकिन हम में से ज्यादातर लोग इंटरनेशनल ट्रिप पर इसलिए नहीं जा पाते हैं, क्योंकि इसमें खर्चा ज्यादा आता है। फ्लाइट्स के टिकट, रहना–सहना, खाना–पीना और घूमने आदि में अच्छा–खासा खर्च हो जाता है। वहीं हमारे पास कुछ लोग ऐसे भी होते हैं, जो साल में 1–2 ट्रिप बाहर की करते हैं। लेकिन क्या आप जानते हैं कि वह इन ट्रिप को कैसे अफोर्ड करते हैं। क्योंकि वह लोग बड़े किफायत से पैसों को खर्च करते हैं। आज हम आपको इस आर्टिकल में कुछ ऐसे ट्रैवल हैक्स बताने जा रहे हैं। जिनकी मदद से आप अपनी बकेट लिस्ट पूरी कर सकते हैं। इन हैक्स को अपनाकर आप आसानी से बाहर जाने का सपना पूरा कर सकते हैं।

हॉस्टल्स करें बुक

विदेश घूमने की प्लानिंग करने के दौरान आप होटल्स की बजाय हॉस्टल को चुनें। क्योंकि यात्रा के दौरान सबसे महंगे होटल हो जाते हैं। ऐसे में अगर आप होटल की जगह हॉस्टल बुक करेंगे तो अन्य चीजों पर अधिक खर्च कर पाएंगे। हॉस्टल, बैकपैकर और लग्जरी दोनों ही बढ़िया ऑप्शन हैं। यह आपको होटल की तरह ही बढ़िया सेवा देते हैं। इंटरनेट पर आप अच्छे रिव्यूज देखकर आप हॉस्टल बुक कर सकते हैं।

खाना खुद बनाएं

अगर आपने हॉस्टल की जगह इकोनॉमिक मोटल्स या एयरबीएनबी चुना है, तो आप अपना खाना खुद ही बनाएं। इससे आपको दो फायदे होंगे। जिनमें से पहला यह है कि आप अपने हिसाब से अच्छा और घर वाला खाना बना पाएंगे। दूसरा यह कि बाहर खाने पर फिजूलखर्ची भी नहीं होगी। क्योंकि कई बार हम ऐसे कैफे में चले जाते हैं, जो सोशल मीडिया पर तो अच्छा कंटेंट देते हैं, लेकिन इन कैफेज का खाना काफी महंगा होता है। बाहर कैफे में जो सैंडविच आपको 12 यूरो यानी की 1,000 रुपए का पड़ेगा। वहीं घर पर आपको कुछ चीजों के साथ यह आपको 2–3 यूरो यानि की 177–250 रुपये में पड़ेगा।

वॉटर बोतल

ट्रैवल के दौरान पानी की भी जरूरत पड़ती हैं। वहीं ट्रैकिंग और हाइकिंग के दौरान पानी की जरूरत बढ़ जाती है। ऐसे में अगर आप होटल से पानी की बोतल ले जाना भूल गए हैं। तो बाहर कहीं से पानी की बोतल लेने के बजाय उन जगहों के बारे में पता करें, जहां पर टैप वॉटर उपलब्ध हो। विदेशों में कई जगह फाउंटेन भी होता है। जहां से आप साफ पानी भर सकते हैं। यह पानी पीने के लिए अच्छा होता है। जब तक बहुत जरूरी न हो, तब तक टैप वॉटर और फाउंटेन का पानी पीकर काम चला सकते हैं।

ट्रैवल इंश्योरेंस

कई लोगों को ट्रैवल इंश्योरेंस बेकार की चीज लगती है। ऐसे में अगर आप टिकट बुक करने के दौरान या ट्रिप पर जाने के दौरान इंश्योरेंस को इग्नोर करते हैं। तो यह बहुत जरूरी होता है। खासकर तब जब आप कहीं बाहर जा रहे हों तो इसको जरूर रखना चाहिए। बता दें कि यह यात्रा के दौरान जोखिम को कवर करता है। उदाहरण के लिए अगर आपका पासपोर्ट या कोई जरूरी डॉक्यूमेंट्स खो जाए या चेक–इन बैगेज आदि खो जाए, तो आप इस पर क्लेम कर सकते हैं। वहीं अगर आप बीमार आदि हो जाते हैं तब भी ट्रैवल इंश्योरेंस आपकी काफी मदद करता है।

स्टूडेंट आईडी

हर जगह स्टूडेंट्स को कुछ न कुछ छूट जरूर मिलती है। फिर चाहे मेट्रो या लोकल बस में सफर करना हो, या म्यूजियम में जाना हो। स्टूडेंट आईडी की मदद से आप अपना अच्छा–खासा पैसा बचा पाएंगे। वहीं कई कार्यक्रम स्टूडेंट्स को सस्ते टिकट देता है। चाहे वह लाइव शो हो या संतीग कार्यक्रम आदि हो। शुरुआती टिकटों की तुलना में स्टूडेंट्स को यह कम पैसे में मिलता है। ऐसे में आप विभिन्न पर्यटन स्थलों को सस्ते टिकट की मदद से घूम सकते हैं।

# पार्टी के लिए चाहिए गॉर्जियश लुक तो ट्राई करें 5 कलर्ड आई लाइनर, मिलेगा अट्रैक्टिव लुक

आई मेकअप हमारे मेकअप का जरूरी हिस्सा होता है। इसके बिना पार्टी लुक इमेजिन भी नहीं किया जा सकता है। काजल और आई शैडो के अलावा आई लाइनर भी काफी जरूरी होता है। मेकअप में भले ही आप आईशैडो को स्किप कर दें, लेकिन आई लाइनर हमारे आखों को अच्छा लुक देने का काम करता है। बताना ब्लैक आई लाइनर हर तरह के लुक के लिए परफेक्ट माना जाता है। अगर आप भी मेकअप ट्रेंड को फॉलो करती हैं तो कलर आई लाइनर का इस्तेमाल कर आप अपने लुक को ज्यादा अच्छा बना सकती हैं। कलर आई लाइनर इन दिनों मार्केट में काफी ट्रेंड में हैं। वहीं बॉलीवुड डीवॉज भी अपनी आंखों की खूबसूरती बढ़ाने के लिए कलर आई लाइनर इस्तेमाल कर चुकी हैं। वहीं इन दिनों मार्केट में कई कलर आईलाइनर ऑप्शन में हैं। जिनको आप ट्राई कर सकती हैं। ऐसे में आप भी अपने पार्टी लुक के लिए मेकअप बॉक्स में इन 5 कलर्ड आईलाइनर स्टोर कर सकती हैं। आंखों को खूबसूरत बनाने के लिए कलर्ड आईलाइनर आपको अट्रैक्टिव लुक देने के साथ खूबसूरत भी बनाएंगे।

ब्लू कलर

अगर आप भी पार्टी में कुछ डिफरेंट लुक पाना चाहते हैं तो आपको ब्लू कलर का आईलाइनर ट्राई करना चाहिए। ब्लू कलर के आईलाइनर में आपको कई तरह के शेड मिल जाएंगे। अगर आप पार्टी के लिए बोल्ड लुक चाहती हैं तो रॉयल ब्लू कलर आई लाइनर चुन सकती हैं। इसमें आप ग्लिटर और ब्लू दोनों कलर चुन सकते हैं। सुपर मैट आई लाइनर ट्रेडिशनल लुक पर काफी अच्छा लगेगा। वहीं वेस्टर्न लुक पर आप ग्लिटर ब्लू आई लाइनर अप्लाई कर सकती हैं।

गोल्डन कलर

गोल्डन कलर का आई लाइनर सभी स्किन टोन पर अच्छा लगता है। एथनिक आउटफिट के साथ गोल्डन आई लाइनर रॉयल लुक देने का काम करता है। वेडिंग फंक्शन या फिर फेस्टिव सीजन में ब्राइड भी गोल्डन कलर ट्राई कर सकती हैं। हालांकि ब्रांडेड आई लाइनर से आपकी आखों को भी रॉयल लुक मिलेगा। क्योंकि कई बार लोकल प्रोडक्ट इस्तेमाल करने से जो लुक हम चाहते हैं, वह नहीं मिल पाता है। पार्टी के लिए इसे ब्लैक आई लाइनर के साथ हाईलाइट करते हुए अप्लाई कर सकती हैं।

सिल्वर कलर

सिल्वर कलर के आईलाइनर को पार्टी लुक के लिए अप्लाई किया जा सकता है। हालांकि इसको अप्लाई करने से पहले आउटफिट के साथ मैच करना जरूरी है। कई बार यह हर तरह के आउटफिट के साथ मैच नहीं करता है। वहीं अलग लुक पाने के लिए इसे सिंपल तरीके से इस्तेमाल किए जाने के बजाय डिफरेंट तरीके से इस्तेमाल करें। हर किसी पर सिल्वर कलर के आई लाइनर सूट नहीं करता। इसलिए पार्टी लुक के लिए इस कलर को सोच–समझ कर अप्लाई करना चाहिए। पार्टी लुक के लिए आप दो कलर को जोड़ते हुए ट्राई कर सकती हैं।

ग्रीन कलर

अगर आप भी चाहती हैं कि पार्टी में किसी की भी नजरें आप से न हटें तो ग्रीन कलर के आई लाइनर को अप्लाई कर सकती हैं। हालांकि इस बात का जरूर ध्यान रखें कि कलर आई लाइनर वॉटरप्रूफ होना चाहिए। क्योंकि अगर यह फैल जाएगा तो आपका पूरा लुक खराब हो जाएगा। ब्लैक या फिर शिमरी ग्रीन आउटफिट के साथ आप ग्रीन कलर का आईलाइनर बेस्ट लगेगा। यह आपके लुक को अट्रैक्टिव बनाता है। ग्रीन कलर के आई लाइनर को आप सिंपल तरीके से आंखों पर अप्लाई कर सकती हैं। आई लाइनर को डबल कोट करना न भूलें।

ब्राउन कलर

ब्लैक के अलावा ब्राउन आई लाइनर भी लड़कियों का ऑल–टाइम फेवरेट होता है। ब्राउन आई लाइनर में आपको मैट और ग्लिटर दोनों आईलाइनर मिल सकते हैं। अगर आप भी विंग या मोटे आई लाइनर अप्लाई करती हैं तो ब्राउन कलर चूज कर सकती हैं। यह आपके वेस्टर्न और ट्रेडिशनल दोनों लुक पर खूब जचेगा। नॉर्मल डे या फिर ऑफिस लुक के लिए भी ब्राउन मैट आई लाइनर आप ट्राई कर सकती हैं। ब्राउन आई लाइनर को आप ब्लैक अल्टरनेट ऑप्शन मान कर भी अप्लाई कर सकती हैं।

# पेट दर्द और ब्लोटिंग ने कर दिया है दुखी तो अपनाएं ये आयुर्वेदिक नुस्खे, रसोई में छिपा है इसका इलाज

कई लोगों का गर्मियों में पेट ज्यादा फूलता है, ऐसा पाचन तंत्र में जलन के कारण होता है। खाने–पीने में लापरवाही करना, ब्लोटिंग, पेट में दर्द और गैस की समस्या बनाता है। आयुर्वेदिक एक्सपर्ट डॉ. वारा लक्ष्मी ने हेल्थ संबंधी टिप्स और जानकारियां शेयर की हैं। ब्लोटिंग क्या है और इस समस्या से कैसे निजात पा सकते हैं। डॉ वारा लक्ष्मी ने इसके बारे में बताया है। वहीं गर्मियों का मौसम शुरू हो चुका है। ऐसे में अगर आप भी गैस, पेट में दर्द और ब्लोटिंग की समस्या से परेशान हैं तो यह आर्टिकल आपके लिए हैं।

ब्लोटिंग का कारण

पेट फूलने और पेट दर्द का सबसे आम कारण अधिकतर आंतो की गैस होती है। वहीं खाना खाने के बाद अगर आपका पेट फूलता है तो आपको पाचन संबंधी समस्या हो सकती है। इसके अलावा जल्दी–जल्दी खाने से भी यह समस्या हो सकती है। इसके अलावा कुछ ऐसे फूड्स होते हैं, जो इंटॉलरेंस भी हो सकते हैं। डाइजेस्टिव फायर और सामान वात की गड़बड़ी के कारण ब्लोटिंग होती है। प्रोसेस्ड फूड्स, कच्चा और बासी खाने की वजह से गैस और ब्लोटिंग की समस्या पैदा होती है।

ब्लोटिंग की समस्या से कैसे पाएं निजात

अगर आप भी ब्लोटिंग की समस्या से परेशान हैं तो किचन में रखी कुछ चीजें आपको इससे राहत दिला सकती हैं। आइए जानते हैं कि इन चीजों का कैसे सेवन करना चाहिए।

अजवाइन लें

हर किचन में अजवाइन पायी जाती है। खाने में चुटकी भर

आजवाइन के पाउडर को जरूर डालें। बता दें कि अजवाइन वात को बैलेंस करने का काम करता है। अजवाइन में एंटी–स्पास्मोडिक गुण पाए जाते हैं। यह गुण पेट के दर्द से और ब्लोटिंग से राहत पहुंचाने का काम करती है। सुबह–सुबह खाली पेट अजवाइन के पानी का सेवन कर सकते हैं। इससे आपको पेट फूलने की समस्या से निजात मिलेगी।

गर्म खाना खाएं

आपको ठंडा खाना या सलाद के सेवन से बचना चाहिए। अत्यधिक गर्मी के प्रति आंत संवेदनशील होती है। ठंडे खाद्य पदार्थों को खाने से पूरे शरीर को झटका लगता है। जिसके कारण पाचन की संवेदनशीलता बढ़ जाती है। जिसके कारण खाना नहीं पच पाता है। यही वजह है कि हमेशा गर्म और अच्छे से पके हुए खाने का सेवन करना चाहिए।

सौंफ का पानी

सौंफ के बीजों में कंपाउंड एनेथोल में एंटी–स्पास्मोडिक गुण पाए जाते हैं। यह गैस, एनेथोल सूजन और अन्य पाचन संबंधी समस्याओं को कम करने में सहायक होता है। वहीं सौंफ का पानी पीने से गैस और सूजन कम करने में सहायता मिल सकती है। गैस और सूजन कब्ज और अपच का एक सामान्य लक्षण होता है।

चबाकर खाएं खाना

अगर आप भी जल्दी–जल्दी खाना खाने के आदी हैं तो भी आपको यह समस्या उत्पन्न हो सकती है। वहीं जब आप खाने को चबाकर अच्छे से खाते हैं। तब यह खाने के बड़े टुकड़ों को छोटे टुकड़ों में तोड़ने में मदद करता है। यह एसोफैगस पर तनाव को भी कम करने में सहायक होता है। साथ ही आपके भोजन को मेटाबॉलाइज करने में मदद करता है। इसलिए खाने को अच्छे से चबाकर खाना चाहिए। जिससे कि यह आसानी से पच जाए।

स्ट्रेस न लें

अधिक तनाव आपके पाचन क्रिया को धीमा कर देता है। जिससे सूचन, दर्द और कब्ज की शिकायत होती है। जबकि अन्य में यह गति को बढ़ाने का कम करता है। जिसके कारण व्यक्ति को बार–बार पेशाब जाना पड़ता है। इसलिए तनाव को अपने पेट तक नहीं पहुंचने दें। इसके लिए जरूरी है कि अपने मन को शांत रखें। क्योंकि तनाव का सीधा असर आपकी हेल्थ पर पड़ता है। खाना खाने से पहले लंबी–लंबी सांसे लेनी चाहिए और इसके बाद खाना खाएं।

## संक्षिप्त

### पश्चिम एशिया तनाव के बीच सोने-चांदी की कीमतों में गिरावट

नई दिल्ली,एजेंसी। सोने और चांदी की कीमतों में शुक्रवार को गिरावट के साथ कारोबार की शुरुआत हुई। घरेलू व अंतरराष्ट्रीय बाजारों में बिकवाली के दबाव के चलते दोनों कीमती धातुओं के दाम करीब आधा प्रतिशत तक फिसल गए। सोने की कीमतें 462 रुपये गिरकर 1.51 लाख रुपये प्रति 10 ग्राम हो गईं। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज पर, जून डिलीवरी के लिए पीले धातु की कीमत 462 रुपये या 0.3 प्रतिशत गिरकर 1,51,299 रुपये प्रति 10 ग्राम हो गई, जिसमें 8,310 लॉट का कारोबार हुआ। वहीं चांदी की कीमतों में भी कमजोरी देखी गई। 5 मई 2026 डिलीवरी वाला सिल्वर कॉन्ट्रैक्ट पिछले बंद 2,41,513 रुपये के मुकाबले 2,39,200 रुपये पर खुला। सुबह के कारोबार में यह 842 रुपये यानी 0.35 प्रतिशत टूटकर 2,40,671 रुपये पर पहुंच गया। सत्र में चांदी ने 2,39,200 रुपये का न्यूनतम और 2,41,382 रुपये का उच्चतम स्तर दर्ज किया। अंतरराष्ट्रीय बाजार में, न्यूयॉर्क में कॉमेक्स गोल्ड फ्यूचर्स के जून अनुबंध में 33.54 अमेरिकी डॉलर या लगभग 1 प्रतिशत की गिरावट आई और यह 4,690.46 अमेरिकी डॉलर प्रति औंस पर पहुंच गया, जबकि चांदी 0.92 प्रतिशत कमजोर होकर 74.81 डॉलर प्रति औंस पर कारोबार करती दिखी। मोतीलाल ओसवाल वित्तीय सेवाएं के कमोडिटी विश्लेषक मानव मोदी ने कहा कि अमेरिकी डॉलर की मजबूती, बॉन्ड यील्ड में बढ़ोतरी और पश्चिम एशिया में तनाव को लेकर अनिश्चितता के कारण सोने-चांदी की कीमतों पर दबाव बना है। उन्होंने कहा कि कच्चे तेल की कीमतें फिर 100 डॉलर प्रति बैरल के ऊपर जाने से महंगाई बढ़ने की आशंका है, जिससे निवेशकों की रणनीति प्रभावित हो रही है। इसके अलावा, अमेरिका के उम्मीद से बेहतर शुरुआती पीएमआई आंकड़ों ने अर्थव्यवस्था की मजबूती का संकेत दिया है, जिससे निकट भविष्य में ब्याज दरों में कटौती की उम्मीदें घटी हैं और इसका असर सोने की कीमतों पर पड़ा है।

### होर्मुज तनाव के बीच कच्चे तेल की कीमतों में उछाल, निवेशकों की चिंता से ब्रेंट क्रूड 107 डॉलर पर पहुंचा

नई दिल्ली,एजेंसी। अंतरराष्ट्रीय कच्चे तेल की कीमतों में शुक्रवार को जोरदार तेजी दर्ज की गई। पश्चिम एशिया में बढ़ते भू-राजनीतिक तनाव, सप्लाई बाधित होने की आशंका और होर्मुज जलडमरूमध्य में जारी अनिश्चितता के कारण वैश्विक बाजार में तेल करीब दो प्रतिशत तक चढ़ गया। अमेरिका की ओर से एकतरफा युद्धविराम घोषणा के बावजूद निवेशकों की चिंता कम नहीं हुई और बाजार में उतार-चढ़ाव बना रहा। वैश्विक बेंचमार्क ब्रेंट क्रूड करीब 2 प्रतिशत बढ़कर 107 डॉलर प्रति बैरल के स्तर पर पहुंच गया। वहीं अमेरिकी बेंचमार्क वेस्ट टेक्सास इंटरमीडिएट भी लगभग दो प्रतिशत की तेजी के साथ 97.6 डॉलर प्रति बैरल पर कारोबार करता दिखा। घरेलू वायदा बाजार एमसीक्स पर कच्चा तेल हालांकि दबाव में रहा और करीब 1 प्रतिशत यानी लगभग 100 रुपये टूटकर 9,077 रुपये प्रति बैरल पर कारोबार करता नजर आया। साप्ताहिक आधार पर देखें तो कच्चे तेल में जबरदस्त उछाल आया है। ब्रेंट क्रूड पिछले शुक्रवार के मुकाबले अब तक 18.83 प्रतिशत मजबूत हुआ है, जबकि ज् में करीब 17 प्रतिशत की तेजी दर्ज की गई है। इससे साफ है कि बाजार फिलहाल भू-राजनीतिक जोखिमों को गंभीरता से ले रहा है। कमोडिटी विशेषज्ञों के अनुसार होर्मुज में सैन्य गतिविधियां और समुद्री परिवहन में व्यवधान तेल आपूर्ति को लेकर चिंता बढ़ा रहे हैं। यह मार्ग बेहद अहम माना जाता है, क्योंकि दुनिया के करीब 20 प्रतिशत तेल व्यापार की सप्लाई इसी रास्ते से गुजरती है। ऐसे में यहां किसी भी तनाव का सीधा असर वैश्विक कीमतों पर पड़ता है। विशेषज्ञों का कहना है कि निकट अवधि में तेल का रुझान सतर्क तेजी वाला बना हुआ है। कीमतों के लिए 99 डॉलर तत्काल रेजिस्टेंस है और इसके ऊपर मजबूती टिकने पर ब्रेंट 104.50 डॉलर से 110 डॉलर तक जा सकता है। वहीं गिरावट की स्थिति में 95 डॉलर पहला अहम सपोर्ट है, जबकि 90.80 से 88.50 डॉलर मजबूत आधार माना जा रहा है। इस बीच अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा कि वह ईरान के खिलाफ युद्ध में परमाणु हथियार का इस्तेमाल नहीं करेंगे। उन्होंने कहा कि पारंपरिक सैन्य ताकत से ही बड़ा नुकसान पहुंचाया गया है। हालांकि कुछ रिपोर्टों में यह भी दावा किया गया कि अमेरिकी राष्ट्रपति ने सेना को क्षेत्र में कार्रवाई तेज करने के निर्देश दिए हैं, जिसमें होर्मुज जलडमरूमध्य के पास ईरानी छोटी नौकाओं को निशाना बनाने वाले अभियान शामिल हैं। अलग रिपोर्टों में कहा गया है कि इस्राइल और लेबनान ने अपने युद्धविराम को तीन सप्ताह के लिए बढ़ा दिया है, लेकिन इसके बावजूद व्यापक क्षेत्रीय तनाव पूरी तरह कम नहीं हुआ है। उधर, कच्चे तेल की तेजी और वैश्विक अनिश्चितता का असर भारतीय शेयर बाजार पर भी दिखा। शुरुआती कारोबार में सेंसेक्स और निफ्टी करीब एक प्रतिशत तक टूटे, जहां आईटी और फार्मा शेयरों में बिकवाली का दबाव देखने को मिला।

# जय शाह से लेकर बीसीसीआई तक ने मास्टर ब्लास्टर को दी बधाई, फैंस के साथ काटा केक

नई दिल्ली,एजेंसी। महान बल्लेबाज सचिन तेंदुलकर आज अपना 53वां जन्मदिन मना रहे हैं। सचिन को भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई), आईसीसी अध्यक्ष जय शाह और आईपीएल की फ्रेंचाइजी ने जन्मदिन की बधाई दी है। वहीं, महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने भी मास्टर ब्लास्टर को जन्मदिन की बधाई दी है। वहीं, मुंबई में सचिन के घर के बाहर प्रशंसकों की भारी भीड़ है। सचिन ने भी फैंस को निराश नहीं किया और बाहर आकर उनके साथ जन्मदिन बनाया। इस दौरान सचिन की पत्नी अंजली भी उनके साथ मौजूद रहीं। अंजली ने गोद में एच नन्ही प्रंशसक को उठाया। वहीं, सचिन को बधाई देने का तांता लगा हुआ है। आईसीसी अध्यक्ष जय शाह ने एक्स पर लिखा, हमारे खेल के आइकॉन सचिन तेंदुलकर को जन्मदिन की बहुत-बहुत शुभकामनाएं। क्रिकेट में आपका शानदार योगदान दुनिया भर की पीढ़ियों को हमारा शानदार खेल खेलने और देखने के लिए प्रेरित करता रहेगा, जबकि आपकी हमदर्दी और इंसानियत का समाज पर लगातार और अहम असर पड़ता रहेगा। बीसीसीआई ने सचिन तेंदुलकर को जन्मदिन पर बधाई देते हुए लिखा, 2011 वनडे विश्व कप जीतने वाली भारतीय टीम के सदस्य, महान खिलाड़ी सचिन तेंदुलकर को जन्मदिन की बहुत-बहुत शुभकामनाएं। बीसीसीआई के उपाध्यक्ष राजीव शुक्ला ने

तेंदुलकर को जन्मदिन की बधाई देते हुए एक्स पर लिखा, जन्मदिन मुबारक हो, सचिन तेंदुलकर। आपका असाधारण सफर सिर्फ मैदान पर आपकी बेमिसाल कामयाबियों से ही नहीं, बल्कि ईमानदारी, अनुशासन और खेल भावना के उन मूल्यों से भी तय होता है जिन्हें आपने हमेशा बनाए रखा है। क्रिकेट की तरक्की और दुनिया भर में पहचान बनाने में आपका योगदान बहुत बड़ा है, जिसने खिलाड़ियों और प्रशासकों की पीढ़ियों को प्रेरित किया है। अच्छे स्वास्थ्य, खुशी और क्रिकेट की दुनिया को मार्गदर्शन और प्रेरणा देने के लिए कई और वर्षों तक शुभकामनाएं। सचिन तेंदुलकर को उनके जन्मदिन पर आईपीएल की सभी फ्रेंचाइजियों ने भी शुभकामनाएं दी हैं। मुंबई इंडियंस ने एक्स अकाउंट पर सचिन की केक काटते हुए एक तस्वीर साझा की है। टीम ने कैप्शन में लिखा है, वो छोटा लड़का जो क्रिकेट को पसंद प्रत्येक व्यक्ति के दिल की धड़कन बन गया। जन्मदिन मुबारक हो, सचिन तेंदुलकर। लखनऊ सुपर जाएंट्स ने एक वीडियो साझा किया है। इस वीडियो में सचिन के बेटे अर्जुन तेंदुलकर केक लेकर कहते हैं कि जन्मदिन मुबारक हो, मैं आपसे जल्द मिलूंगा। वीडियो में सचिन और अर्जुन की कई तस्वीरें साझा की गई हैं। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फड़णवीस ने सचिन को उनके जन्मदिवस पर बधाई दी है। देवेंद्र फड़णवीस ने अपने आधिकारिक एक्स अकाउंट पर लिखा, भारत के गौरव, सच्चे भारत रत्न और मास्टर ब्लास्टर सचिन तेंदुलकर को जन्मदिन की हार्दिक शुभकामनाएं। आपका समर्पण और विनम्रता सबसे बड़ी प्रेरणा है।

# अभी पूरी तरह फिट नहीं हो सके हैं धोनी, क्या इम्पैक्ट प्लेयर के तौर पर होगी वापसी ? कोच ने किया स्पष्ट

चेन्नई,एजेंसी। चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) का गुरुवार को मुंबई इंडियंस से सामना हुआ। इस मैच में भी महेंद्र सिंह धोनी खेलने नहीं उतरे जिससे फैंस को एक बार फिर निराशा मिली। धोनी को लेकर कप्तान ऋतुराज गायकवाड़ ने टॉस के दौरान कोई जानकारी नहीं दी। लेकिन टीम के बल्लेबाजी कोच माइकल हसी ने स्पष्ट किया है कि धोनी अब तक पूरी तरह फिट नहीं हैं जिस कारण वह मैदान पर नहीं उतरे हैं। सीएसके की टीम आईपीएल 2026 में लीग चरण के अपने आधे मुकाबले खेल चुकी है।

सीएसके ने वानखेड़े स्टेडियम पर खेले गए मुकाबले में शानदार प्रदर्शन करते हुए बड़ी जीत दर्ज की, लेकिन 44 वर्षीय धोनी इस मैच में भी नहीं खेले। धोनी ने मौजूदा आईपीएल सीजन में एक भी मैच नहीं खेला है। टूर्नामेंट की शुरुआत से पहले ही वह चोटिल हो गए थे और अब तक वापसी नहीं कर सके हैं। हसी ने साफ किया कि जब भी धोनी अपनी पिंडली की चोट से उबरकर लौटेंगे तो वह विकेटकीपर के तौर पर ही अपनी जिम्मेदारी संभालेंगे, न कि सिर्फ एक इम्पैक्ट प्लेयर के तौर पर खेलेंगे। वह अभी भी उस चोट से उबर रहे हैं जिसकी वजह से 28 मार्च को उन्हें शुरू में दो हफ्ते के लिए टीम से बाहर होना पड़ा था।

ऐसी अटकलें लगाई जा रही थीं कि धोनी इम्पैक्ट प्लेयर नियम का इस्तेमाल करते हुए सिर्फ एक विशेषज्ञ बल्लेबाज के तौर पर वापसी कर सकते हैं, खासकर तब जब संजू सैमसन और कार्तिक शर्मा विकेटकीपिंग के विकल्प के तौर पर उपलब्ध हैं। हसी ने इस संभावना को खारिज कर दिया और संकेत दिया कि धोनी विकेट के पीछे अपनी पुरानी और जानी-पहचानी भूमिका में ही वापसी करेंगे। हसी ने कहा, मुझे पूरा यकीन है कि वह विकेट के पीछे ही होंगे। उनके लिए सबसे बड़ी बात यह है कि उन्हें पिंडली में चोट लगी है। दिक्कत सिर्फ दौड़ने में है। अगर वह पारी के आखिरी ओवरों में बल्लेबाजी करने आते हैं, तो उन्हें तेजी से एक-दो रन लेने पड़ेंगे। उन्हें बस यह पक्का करना होगा कि उनकी पिंडली इतनी मजबूत हो कि वह इस दबाव को झेल सके।

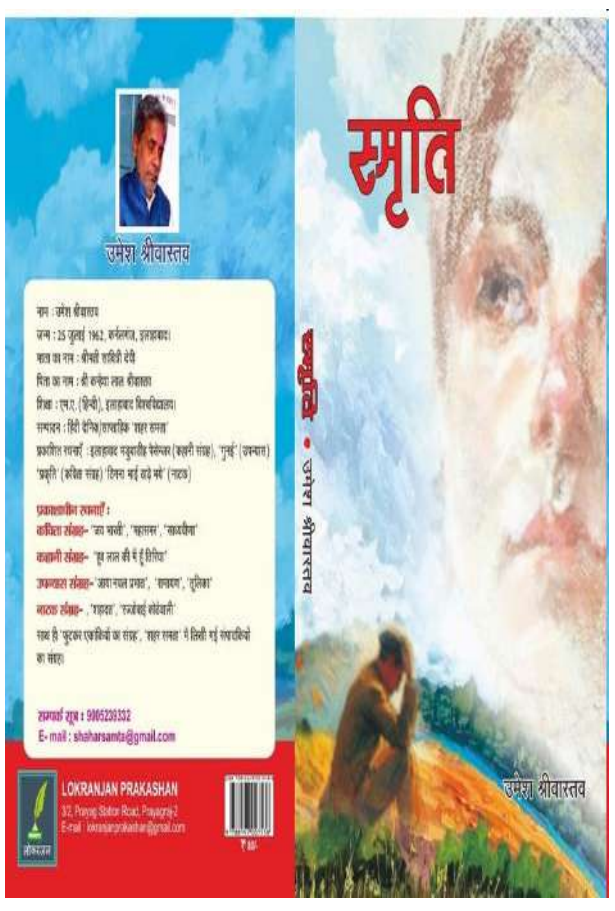


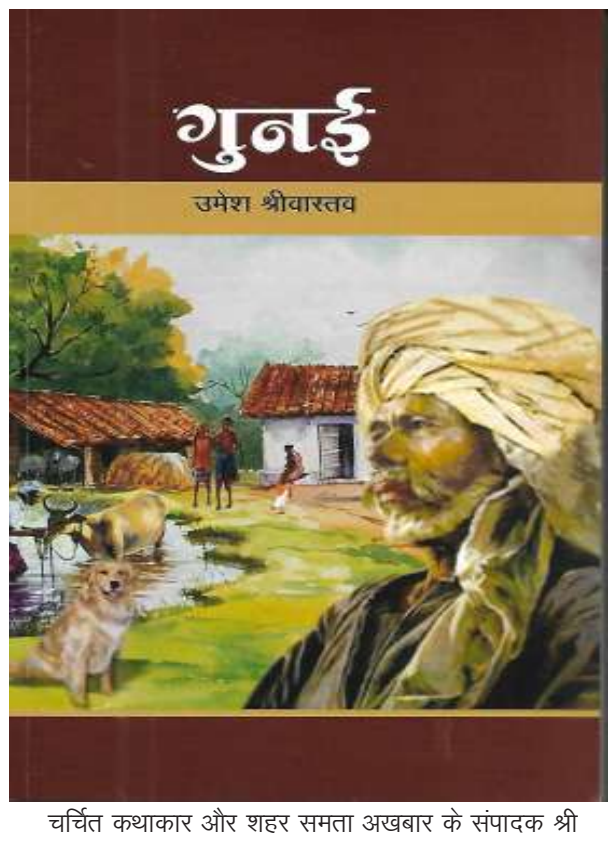


चर्चित कथाकार और शहर समता अखबार के संपादक श्री उमेश श्रीवास्तव जी का ग्रामीण पृष्ठभूमि पर लिखा बहु प्रतीक्षित

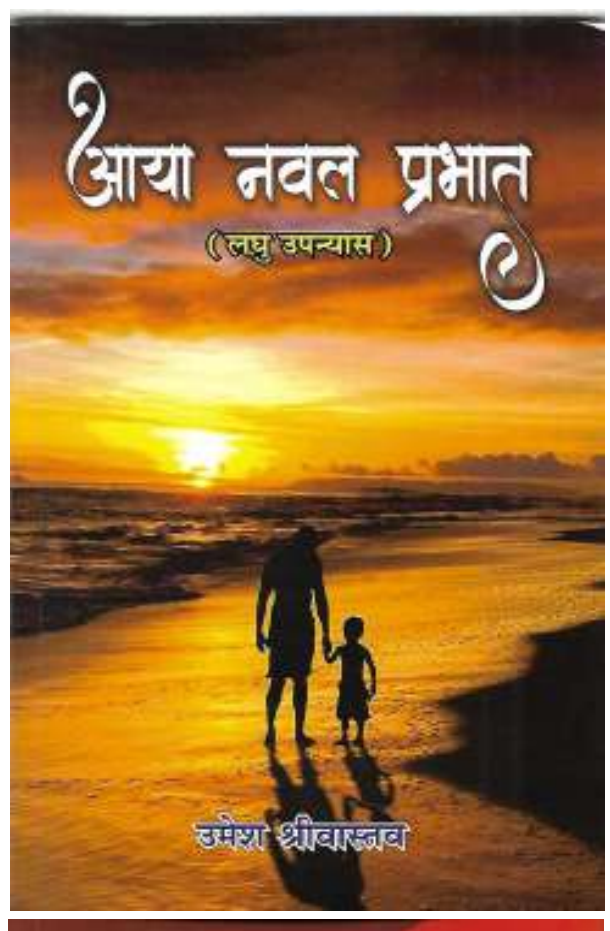


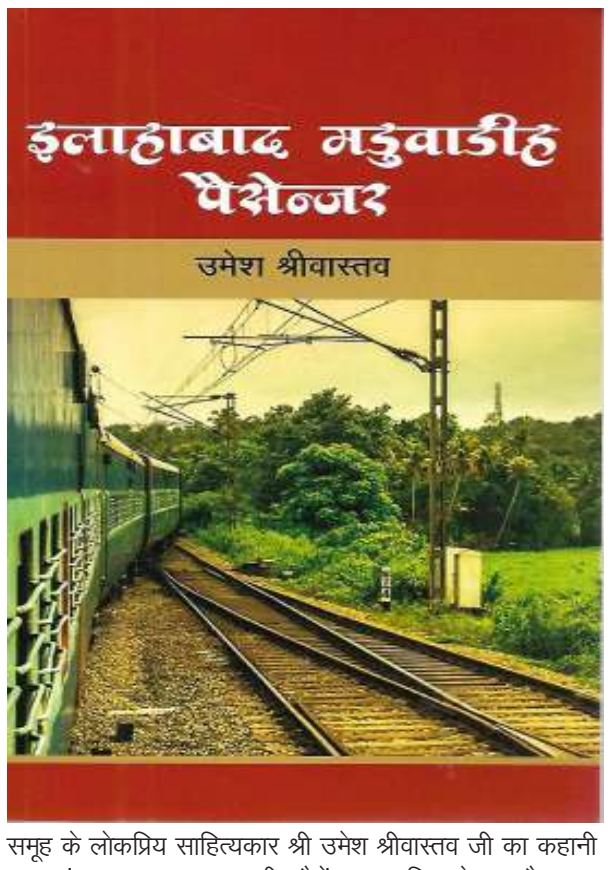


समूह के लोकप्रिय साहित्यकार श्री उमेश श्रीवास्तव जी का कहानी संग्रह इलाहाबाद मडुवाडीह पैसेंजर प्रकाशित हो गया है। उमेश श्रीवास्तव जी को बहुत बधाई एवम शुभकामना।

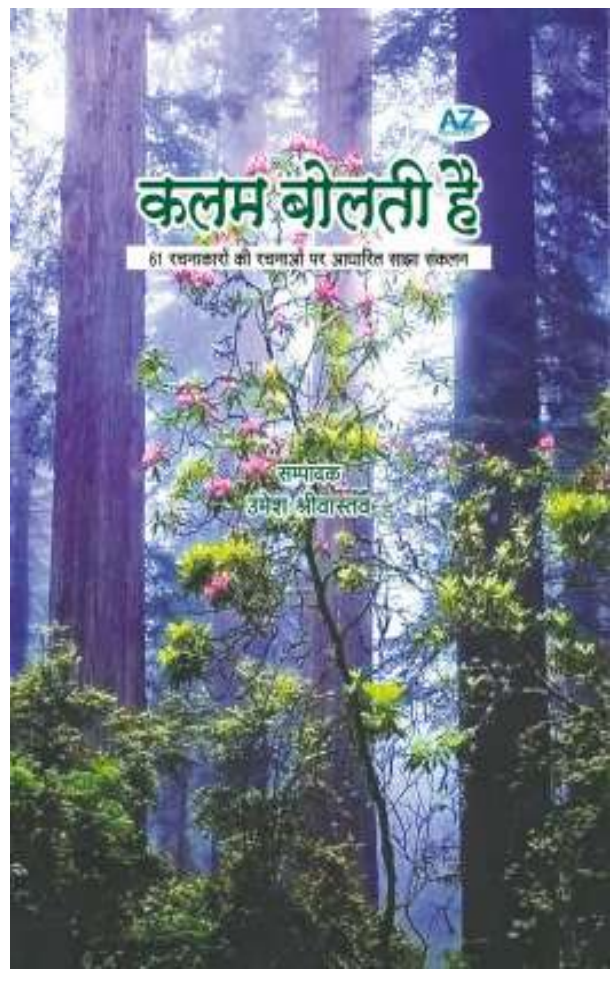


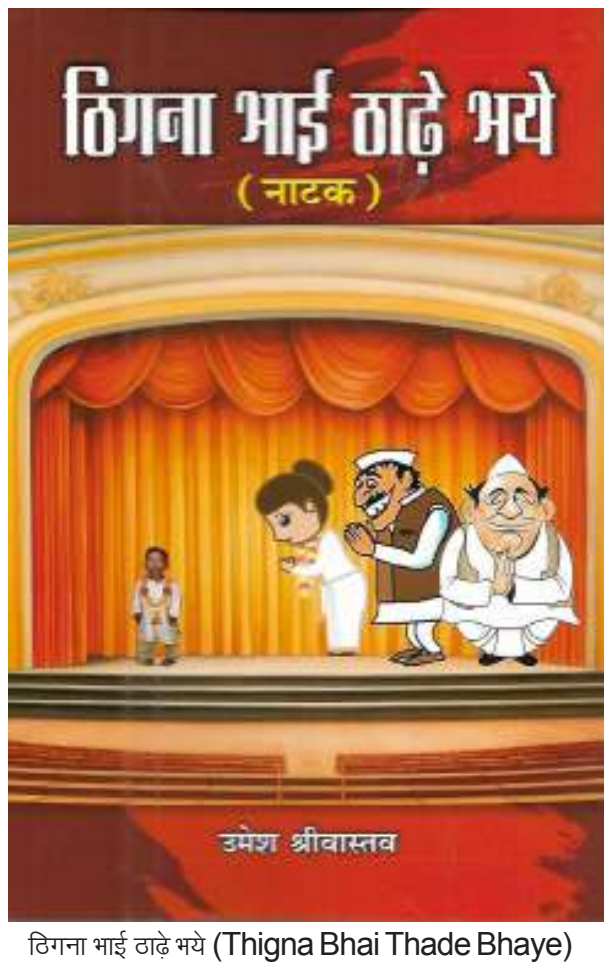


ठिगना भाई ठाढ़े भये (Thigna Bhai Thade Bhaye)

# लुइसियाना के मॉल में गोलीबारी, एक की मौत, पांच लोग घायल, कई गिरफ्तार

लुइसियाना, एजेंसी। अमेरिका के लुइसियाना में एक मॉल में गोलीबारी की घटना सामने आई है। पुलिस ने बताया है कि मॉल के फूड कोर्ट के पास दो समूहों के बीच गोलीबारी हुई। इस घटना में एक शख्स की मौत हो गई, जबकि पांच लोगों के घायल होने की जानकारी पुलिस ने दी है। इससे पहले पुलिस ने 10 लोगों के घायल होने की जानकारी दी थी। लुइसियाना के गवर्नर ने गुरुवार को कहा कि बैटन रूज में मॉल ऑफ लुइसियाना में एक गोलीबारी की घटना हुई है। गवर्नर जेफ लैंड्री ने सोशल मीडिया पर कहा कि मैं कानून प्रवर्तन एजेंसियों के साथ संपर्क में हूं और जैसे ही हमें अधिक जानकारी मिलेगी, हम आपको अपडेट करेंगे। कृपया उस क्षेत्र से दूर रहें। लैंड्री ने कहा कि वे और उनकी पत्नी पुलिस की त्वरित कार्रवाई के लिए आभारी हैं। अन्य कोई जानकारी सार्वजनिक नहीं की गई। मॉल की प्रवक्ता लिंडसे कान ने गोलीबारी की घटना की पुष्टि की, लेकिन अन्य सवालों के लिए पुलिस से संपर्क करने को कहा है। वहीं, अब पुलिस ने बताया है कि गोलीबारी के मामले में पांच लोगों को गिरफ्तार किया गया है। बीते हफ्ते में रविवार को लुइसियाना में गोलीबारी की दर्दनाक घटना में एक से 14 साल के आठ बच्चों की मौत हो गई थी। पुलिस ने बताया कि घरेलू कलह के चलते ये घटना हुई। फिलहाल पुलिस घटना की जांच में जुटी है। घटना रविवार तड़के श्रेवपोर्ट इलाके में हुई थी। श्रेवपोर्ट पुलिस के प्रवक्ता ने बताया कि घटना में कुल 10 लोगों को गोली लगी, जिनमें कुछ बच्चे संदिग्ध हमलावर के रिश्तेदार भी थे। पुलिस के मुताबिक, आरोपी की बाद में पुलिस के साथ मुठभेड़ के दौरान मौत हो गई। पुलिस ने आरोपी को मार गिराया था गोलीबारी के बाद आरोपी ने मौके से भागते समय एक कार चोरी कर ली थी, जिसके बाद पुलिस ने उसका पीछा किया। पुलिस ने अभी तक आरोपी की पहचान उजागर नहीं की है, लेकिन उसे एक वयस्क पुरुष बताया गया है। प्रारंभिक जांच में इस घटना को घरेलू विवाद का परिणाम बताया गया है।

## संक्षिप्त

### क्या फेल हो गया ट्रंप का गोल्ड कार्ड वीजा प्लान?: भारी कमाई के दावे, लेकिन अब तक सिर्फ एक को मिली मंजूरी

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका में राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के प्रशासन की तरफ से शुरू किए गए नए गोल्ड कार्ड वीजा कार्यक्रम को लेकर बड़ी जानकारी सामने आई है। अमेरिका के वाणिज्य मंत्री हावर्ड लुटनिक ने बताया कि इस योजना के तहत अब तक केवल एक व्यक्ति को ही मंजूरी दी गई है, जबकि कई आवेदन अभी जांच के दौर में हैं। बता दें कि इस योजना में कोई विदेशी नागरिक कम से कम 1 मिलियन डॉलर (करीब 8 करोड़ रुपये से ज्यादा) देकर अमेरिका में रहने और काम करने का अधिकार पा सकता है। इसके अलावा 15000 डॉलर की अतिरिक्त फीस भी लगती है, ताकि आवेदकों की सख्त जांच की जा सके। यह योजना पहले से चल रहे म्ठ–5 वीजा कार्यक्रम की जगह लाने के लिए बनाई गई है, जिसमें निवेश के बदले वीजा दिया जाता था। ट्रंप ने इस योजना को ग्रीन कार्ड का एडवांस वर्जन बताया था और दावा किया था कि इससे विदेशी निवेश और प्रतिभा को अमेरिका लाया जाएगा। उन्होंने पहले इसे 5 मिलियन डॉलर तक का विकल्प भी बताया था। इस योजना की शुरुआत के साथ ही ट्रंप प्रशासन ने कई सारे दावे किए। बताया गया कि इस योजना से अरबों डॉलर की कमाई हो सकती है, लेकिन अब तक वास्तविक मंजूरी सिर्फ एक ही व्यक्ति को मिली है। हालांकि अधिकारियों का कहना है कि सैकड़ों लोग आवेदन प्रक्रिया में हैं। सरकार ने यह भी कहा है कि यह पैसा कैसे खर्च होगा, इसका फैसला बाद में प्रशासन करेगा और इसका उद्देश्य अमेरिका के हित में विकास करना होगा। इतना ही नहीं इस योजना में कंपनियां भी 2 मिलियन डॉलर देकर विदेशी कर्मचारियों को स्पॉन्सर कर सकती हैं, साथ ही हर साल 1: मेंटेनेंस फीस भी देनी होगी। इसके लिए एक खास वेबसाइट भी बनाई गई है, जिसमें श्अमेरिका में जीवन के द्वार खोलेंश लिखा है और ट्रंप की तस्वीर, अमेरिकी प्रतीक और गोल्ड कार्ड का डिजाइन दिखाया गया है। प्लेटिनम कार्ड भी प्रस्तावित इसके साथ ही सरकार ने यह भी बताया कि एक और महंगा विकल्प प्लेटिनम कार्ड भी प्रस्तावित है, जिसमें 5 मिलियन डॉलर में 270 दिन तक अमेरिका में रहने और कुछ टैक्स छूट जैसे फायदे मिल सकते हैं। विशेषज्ञों के अनुसार, दुनिया के कई देश पहले से ऐसे गोल्डन वीजा कार्यक्रम चलाते हैं, जिनमें यूके, स्पेन, ग्रीस, कनाडा और ऑस्ट्रेलिया जैसे देश शामिल हैं।

### 'हिंदू कोई धर्म नहीं, बल्कि एक सभ्यतागत पहचान', वॉशिंगटन में होसबाले बोले- RSS हमेशा परंपरा की बात करता है

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका की राजधानी वॉशिंगटन में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के सरकार्यवाह दत्तात्रेय होसबाले ने भारत, उसकी संस्कृति, पड़ोसी देशों और वैश्विक संबंधों को लेकर कई अहम बातें कही हैं। उन्होंने साफ शब्दों में आरएसएस की सोच और भारत की भूमिका को समझाने की कोशिश की। होसबाले ने कहा कि आरएसएस के अनुसार हिंदू कोई धर्म नहीं, बल्कि एक सभ्यतागत पहचान है। उन्होंने बताया कि संगठन हमेशा संस्कृति, परंपरा और मूल्यों की बात करता है, न कि किसी एक धर्म की। उनके मुताबिक, भारत और उसके पड़ोसी देशों के बीच समय–समय पर तनाव रहा है, जिसकी वजह राजनीति, इतिहास की गलत समझ और आपसी भरोसे की कमी है। उन्होंने कहा कि लगातार बातचीत और संवाद से इन समस्याओं को दूर किया जा सकता है। उन्होंने यह भी कहा कि भारत के एक पड़ोसी देश के साथ ज्यादा समस्याएं हैं, और इसके पीछे बाहरी ताकतों की भूमिका भी रही है, जिससे आपसी विश्वास कमजोर हुआ है। भारत–अमेरिका संबंधों पर भी बोले होसबाले भारत और अमेरिका के संबंधों पर बोलते हुए होसबाले ने कहा कि अगर दोनों देश मजबूत साझेदारी चाहते हैं, तो उन्हें भरोसे और समान अवसर के आधार पर आगे बढ़ना होगा। उन्होंने लोगों के बीच सीधे संबंध बढ़ाने पर भी जोर दिया। आधुनिकता और संस्कृति के मुद्दे पर उन्होंने कहा कि दोनों एक साथ चल सकते हैं और इनमें कोई टकराव नहीं है। उन्होंने बताया कि एशियाई समाजों में लंबे समय से यह संतुलन देखने को मिलता है। सनातन को उन्होंने ऐसा बताया जो हमेशा से है और समय के साथ आगे बढ़ता रहता है। इसके साथ ही आरएसएस पर हिंदू श्रेष्ठतावाद के आरोपों को खारिज करते हुए होसबाले ने कहा कि हिंदू विचारधारा सभी में एकता देखने की बात करती है। उन्होंने कहा कि इतिहास में हिंदुओं ने न तो किसी देश पर हमला किया और न ही किसी को गुलाम बनाया, इसलिए उन्हें किसी बात के लिए माफी मांगने की जरूरत नहीं है।

### ट्रंप बोले- ईरान से जंग खत्म करने की जल्दबाजी नहीं, बातचीत जारी, परमाणु हथियार के इस्तेमाल पर क्या कहा?

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा कि वह ईरान के साथ युद्ध खत्म करने में जल्दबाजी नहीं करेंगे, क्योंकि ईरान के साथ चल रही बातचीत अभी भी लंबी खिंच रही है। व्हाइट हाउस में पत्रकारों से बातचीत के दौरान ट्रंप ने कहा कि वह खुद को किसी समय–सीमा में नहीं बांधना चाहते। उन्होंने कहा कि ईरान के नेतृत्व में श्अराजकताश की स्थिति है। ट्रंप ने कहा कि शुरुआती चार हफ्तों में अमेरिका ने सैन्य रूप से बढ़त हासिल कर ली और अब केवल यह देखा जा रहा है कि कोई समझौता होता है या नहीं।


### आवश्यकता है

उत्तर प्रदेश राज्य के प्रयागराज जिले से प्रकाशित समाचार पत्र को समस्त जनपदों में एवम तहसील व ब्लॉक/शहर में ब्यूरो प्रमुख, चीफ रिपोर्टर, संवाददाता, प्रतिनिधि मण्डल की अवश्यकता है जिन्हे आकर्षण वेतन और भत्ते आदि सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी।

सम्पर्क सूत्र
शहर समता हिन्दी दैनिक/साप्ताहिक समाचार पत्र
मोबाईल नम्बर 9190052 39332
919450482227


## 'बस अमेरिका की हां का इंतजार': तेहरान पर बड़े हमले की तैयारी में इस्राइल, कहा- ईरान की नींव तक हिला देंगे

अवीव , एजेंसी। पश्चिम एशिया में युद्ध के बादल फिर गहराने लगे हैं और हालात तेजी से विस्फोटक होते दिख रहे हैं। इस्राइल और ईरान के बीच टकराव अब खुली जंग की दहलीज पर पहुंचता नजर आ रहा है। इसका बड़ा कारण है कि इस्राइल के रक्षा मंत्री इस्राइल काट्ज ने इस संघर्ष के और बड़े पैमाने पर बढ़ने के संकेत दिए हैं। काट्ज ने साफ–साफ कहा कि इस्राइल ईरान के खिलाफ सैन्य कार्रवाई तेज करने के लिए पूरी तरह तैयार है। उन्होंने यह भी संकेत दिया कि अमेरिकी की हरी झंडी का इंतजार है। एक सुरक्षा बैठक के दौरान काट्ज ने खुली चेतावनी देते हुए कहा कि इस्राइली सेना (आईडीएफ) पूरी तरह तैयार है और जरूरत पड़ने पर हमला और बचाव दोनों कर सकती है। उन्होंने कहा कि सभी संभावित टारगेट चिन्हित किए जा चुके हैं। इस दौरान काट्ज ने ईरान की सरकार पहर आरोप भी लगाए। उन्होंने कहा कि ईरान अपने लोगों पर सख्ती से नियंत्रण रखता है और रिवोल्यूशनरी गार्ड्स और बसिज जैसे संगठनों के जरिए दबाव बनाता है। उन्होंने यह भी कहा कि ईरान तेल की कीमतों को लेकर दुनिया पर दबाव बनाने की कोशिश करता है। अपने बयान में इस्राइली रक्षा मंत्री ने दावा किया कि ईरान के नेता फिलहाल कमजोर स्थिति में हैं, छिपकर काम कर रहे हैं और फैसले लेने में दिक्कत महसूस कर रहे हैं। साथ ही उन्होंने कहा कि ईरान अपने नागरिकों की परेशानियों की परवाह नहीं करता, जैसा कि हमास और हिजबुल्ला जैसे संगठनों के मामले में देखा गया है। काट्ज ने चेतावनी दी कि अगर हालात बिगड़ते हैं तो आगे की सैन्य कार्रवाई और ज्यादा खतरनाक और घातक होगी, जो ईरान की नींव को हिला सकती है। हालांकि इसके इतर अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ईरान के साथ तनाव में परमाणु हमले पर अपना रुख साफ किया। उन्होंने कहा कि वह इस संघर्ष में परमाणु हथियारों का इस्तेमाल नहीं करेंगे। उन्होंने कहा कि दुनिया में किसी को भी परमाणु हथियारों का उपयोग नहीं करना चाहिए। ट्रंप ने यह भी कहा कि अमेरिका की अर्थव्यवस्था मजबूत है और देश में तेल की कोई कमी नहीं है। उन्होंने दावा किया कि अमेरिका अभी सऊदी अरब और रूस से भी ज्यादा तेल उत्पादन कर रहा है और कई जहाज अब होर्मुज जलडमरूमध्य की बजाय अमेरिका की ओर आ रहे हैं। उन्होंने यह भी कहा कि अमेरिका इस क्षेत्र पर पूरी नजर रखे हुए है और ईरान को समझौते के लिए दबाव में लाने की कोशिश कर रहा है। हालांकि ईरान की सरकार ने इन दावों को खारिज करते हुए कहा कि देश पूरी तरह एकजुट है। ईरान के नेताओं ने सोशल मीडिया पर एक साथ संदेश जारी कर कहा कि देश में किसी तरह का अंदरूनी मतभेद नहीं है और अमेरिका के दावे बेबुनियाद हैं।

## दुनिया का चौधरी बनने के चक्कर में अपने लोगों पर जुल्म कर रहा PAK, लोग घरों में कैद रहने को मजबूर

इस्लामाबाद , एजेंसी। पाकिस्तान, ईरान और अमेरिका के बीच युद्धविराम की बातचीत की मेजबानी कर रहा है। पाकिस्तान की मेजबानी में पहले दौर की बातचीत बेनतीजा रही थी और दूसरे दौर की बातचीत पर संशय के बादल हैं। हालांकि इस पूरे चक्कर में सबसे ज्यादा परेशानी पाकिस्तान के लोगों को उठानी पड़ रही है। दरअसल पाकिस्तान चौधरी बनने के चक्कर में अपने ही नागरिकों को परेशान कर रहा है। अमेरिका और ईरान की दूसरे दौर की बातचीत कब होगी, ये फिलहाल तय नहीं है, लेकिन पाकिस्तान की राजधानी इस्लामाबाद में अभी भी भारी वाहनों की आवाजाही पर रोक जारी रही है। अमेरिका ईरान की बातचीत के लिए शहर बंद किए इस्लामाबाद और रावलपिंडी में रविवार को ही वीवीआईपी मूवमेंट की आशंका के मद्देनजर सभी प्रमुख सड़कों और बाजारों को बंद कर दिया था। कानून–व्यवस्था बनाए रखने के लिए 10,000 से अधिक सुरक्षाकर्मियों की तैनाती की गई है। हालांकि, करीब एक सप्ताह होने के बावजूद नेताओं के आगमन का कोई आधिकारिक कार्यक्रम घोषित नहीं किया गया है। बातचीत पर अनिश्चितता बरकरार रहने के कारण नूर खान एयरबेस के आसपास के इलाकों को खोलने, मेट्रो बस, इलेक्ट्रिक बस सेवाओं और माल परिवहन बहाल करने पर अभी फैसला नहीं लिया गया है। हवाई अड्डे के आसपास की सड़कें, लिंक रोड, बाजार और बैंक पिछले पांच दिनों से बंद हैं, जिससे शाह फैसल कॉलोनी, खालिद कॉलोनी, गुलजार–ए–कायद, फजल टाउन समेत कई इलाकों के लोग घरों में कैद रहने को मजबूर हैं। रावलपिंडी और इस्लामाबाद के बीच मेट्रो बस सेवा और सात रूटों पर चलने वाली इलेक्ट्रिक बसें निलंबित हैं, जबकि 19 अप्रैल से माल परिवहन भी ठप है, जिससे आम जनता को भारी परेशानी हो रही है। कर्मचारी घरों से काम कर रहे, कॉलेज बंद

रेड जोन इलाके अब भी बंद है और वहां स्थित दफ्तरों के कर्मचारी घर से काम करने पर मजबूर हैं। रावलपिंडी के कुछ हिस्सों में भारी वाहनों को आंशिक अनुमति दी गई है, लेकिन इस्लामाबाद में ट्रक और बसों का प्रवेश पूरी तरह से प्रतिबंधित है। इससे दोनों शहरों के व्यापारिक प्रतिष्ठान बुरी तरह से प्रभावित हैं। स्कूल और कॉलेज खुले हैं, लेकिन विश्वविद्यालयों ने ऑनलाइन कक्षाएं शुरू कर दी हैं। वार्ता की शुरुआत को लेकर अब तक कोई आधिकारिक घोषणा नहीं हुई है। 11 और 12 अप्रैल को इस्लामाबाद में हुई अमेरिका–ईरान वार्ता का पहला दौर बिना किसी ठोस नतीजे के खत्म हो गई थी। दूसरे दौर की बातचीत पर अनिश्चितता के बादल

बुधवार को न्यूयॉर्क पोस्ट ने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के हवाले से कहा कि वार्ता का दूसरा दौर शुक्रवार तक हो सकता है। हालांकि, ईरान के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता इस्माइल बकाई ने कहा है कि तेहरान ने अभी नई वार्ता में शामिल होने पर कोई फैसला नहीं लिया है। इससे पहले मंगलवार को ट्रंप ने ईरान के साथ दो सप्ताह के संघर्षविराम को अनिश्चितकाल के लिए बढ़ा दिया, ताकि तेहरान को युद्ध समाप्त करने के लिए एक संयुक्त प्रस्ताव तैयार करने का समय मिल सके।

## कैसे हैं मोजतबा खामेनेई?: पैर की तीन सर्जरी, चेहरा भी झुलसा, ईरानी अधिकारियों ने बताया सुप्रीम लीडर का हाल

वॉशिंगटन, एजेंसी। ईरान के सर्वोच्च नेता मोजतबा खामेनेई चिट्ठियों के जरिए ईरानी शासन के संपर्क में हैं। एक रिपोर्ट में यह दावा किया गया है। न्यूयॉर्क टाइम्स ने ईरानी अधिकारियों के हवाले से दावा किया है कि ईरान के नए सर्वोच्च नेता अयातुल्ला मोजतबा खामेनेई सुप्रीम लीडर बनने के बाद से सार्वजनिक तौर पर नहीं दिखाई दिए हैं। रिपोर्ट में दावा किया गया है कि मोजतबा खामेनेई अपने पहले सार्वजनिक संबोधन में कमजोर और असुरक्षित नहीं लगना चाहते। मोजतबा खामेनेई को हमले का डर? रिपोर्ट के मुताबिक, सुरक्षा के चलते और अमेरिका और इस्राइल की निगरानी से बचने के लिए मोजतबा खामेनेई तक संदेश पहुंचाने का तरीका भी बेहद गोपनीय रखा गया है। संदेश हाथ से लिखे जाते हैं, लिफाफों में सील किए जाते हैं और फिर भरोसेमंद कूरियरों की एक श्रृंखला के जरिए आगे बढ़ाए जाते हैं। ये कूरियर कारों और मोटरसाइकिलों से मुख्य सड़कों और अंदरूनी रास्तों के जरिए सफर करते हुए संदेश को उनके ठिकाने तक पहुंचाते हैं। मोजतबा खामेनेई इलेक्ट्रॉनिक डिवाइस का इस्तेमाल नहीं कर रहे हैं। मोजतबा खामेनेई को प्लास्टिक सर्जरी और कृत्रिम पैर की जरूरत न्यूयॉर्क टाइम्स की एक रिपोर्ट के अनुसार, अपने पिता की मौत के बाद सत्ता संभालने वाले मुजतबा खामेनेई गंभीर रूप से घायल हैं और फिलहाल छिपकर काम कर रहे हैं। रिपोर्ट में ये भी कहा गया है कि ईरान के सुप्रीम लीडर मोजतबा खामेनेई होश में हैं, लेकिन वह सार्वजनिक रूप से नजर नहीं आ रहे हैं और उनकी भूमिका को धीरे–धीरे कम किया जा रहा है। रिपोर्ट में बताया गया है कि वह मानसिक रूप से पूरी तरह एक्टिव हैं, लेकिन शारीरिक चोटें काफी गंभीर हैं। उनके एक पैर का तीन बार ऑपरेशन हो चुका है और अब उन्हें कृत्रिम पैर (प्रोस्थेटिक) की जरूरत है। एक हाथ की भी सर्जरी हुई है और वह धीरे–धीरे ठीक हो रहे हैं। उनके चेहरे और होंठ बुरी तरह झुलस गए हैं, जिससे बोलने में दिक्कत हो रही है, और आगे चलकर खामेनेई को प्लास्टिक सर्जरी की जरूरत पड़ सकती है। ईरानी राष्ट्रपति ने डोनाल्ड ट्रंप के दावे को नकारा मोजतबा खामेनेई को लेकर ये जानकारी ऐसे समय सामने आई है, जब ऐसा दावा किया जा रहा है कि ईरान के राजनीतिक और सैन्य नेतृत्व में एकजुटता नहीं है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने भी ऐसा दावा किया कि ईरान के राजनीतिक और सैन्य नेतृत्व के बीच आंतरिक कलह है।

### भारतीय दूतावास ने ईरान की यात्रा करने वाले नागरिकों के लिए जारी की एडवाइजरी, दी यह सलाह

एजेंसी/ तेहरान स्थित भारतीय दूतावास ने ईरान में जारी क्षेत्रीय तनाव और उड़ान सेवाओं पर असर को देखते हुए भारतीय नागरिकों के लिए अहम यात्रा परामर्श जारी किया है। दूतावास ने कहा है कि भारतीय नागरिक फिलहाल ईरान की यात्रा न करें, चाहे वह हवाई मार्ग से हो या जमीनी रास्ते से। यात्रा करने से बचने की दी सलाह दूतावास ने अपनी एडवाइजरी में कहा कि भारत और ईरान के बीच कुछ उड़ानों के शुरू होने की खबरें सामने आई हैं, लेकिन क्षेत्रीय हालात के कारण एयरस्पेस प्रतिबंध और परिचालन अनिश्चितताएं अभी भी बनी हुई हैं। इसका असर ईरान आने–जाने वाली अंतरराष्ट्रीय उड़ानों पर पड़ रहा है। ऐसे में मौजूदा परिस्थितियों को देखते हुए यात्रा से बचने की सलाह दी गई है। ईरान में मौजूद नागरिक देश छोड़े भारतीय दूतावास ने यह भी दोहराया कि ईरान में मौजूद सभी भारतीय नागरिक जल्द से जल्द देश छोड़ने की प्रक्रिया शुरू करें। दूतावास ने कहा कि वहां रह रहे भारतीय नागरिक केवल निर्धारित जमीनी सीमा मार्गों से ही बाहर निकलें और यह पूरी प्रक्रिया दूतावास के समन्वय में करें, ताकि सुरक्षित निकासी सुनिश्चित की जा सके। एडवाइजरी में कहा गया है कि मौजूदा हालात को देखते हुए किसी भी तरह की यात्रा योजना बनाने से पहले भारतीय नागरिक सतर्क रहें और दूतावास द्वारा जारी ताजा निर्देशों का पालन करें। किसी भी सहायता, जानकारी या मार्गदर्शन के लिए भारतीय दूतावास ने हेल्पलाइन नंबरों पर संपर्क करने को कहा है।

### विदेश नीति से व्यापार नीति तक: मोदी के पीएम बनने के बाद भारत की नीतियों में बड़ा बदलाव, बोले पूर्व US राजदूत

वॉशिंगटन , एजेंसी। भारत में अमेरिका के पूर्व राजदूत केन जस्टर ने भारत की बदलती विदेश और व्यापार नीति को लेकर अहम बातें कही हैं। उन्होंने बताया कि हाल के समय में भारत का रुख पहले के मुकाबले ज्यादा खुला और सक्रिय नजर आ रहा है। जस्टर के अनुसार प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के पहले दो कार्यकाल की तुलना में अब भारत व्यापार को लेकर ज्यादा खुलापन दिखा रहा है। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि भारत अब एशिया के देशों के साथ अपने रिश्ते मजबूत करने की कोशिश कर रहा है। खासतौर पर पड़ोसी देशों जैसे बांग्लादेश, नेपाल और श्रीलंका के साथ संबंध सुधारने पर ध्यान है।

जस्टर ने आगे इस बात पर भी जोर दिया कि इसके अलावा, भारत ौम।छ देशों के साथ भी सहयोग बढ़ाने की दिशा में काम कर रहा है। हालांकि, उन्होंने यह भी साफ किया कि भारत अभी तक किसी बड़े क्षेत्रीय फ्री ट्रेड समझौते में शामिल होने के लिए तैयार नहीं है।

भारत पहले ही क्षेत्रीय व्यापक आर्थिक साझेदारी (त्ब्च्) से बाहर हो चुका है और ब्ब्च्च् में शामिल होने के संकेत भी नहीं दिए हैं। विदेश नीति में नया आत्मविश्वास पूर्व अमेरिकी राजदूत ने आगे कहा कि साल 2014 में नरेंद्र मोदी के प्रधानमंत्री बनने के बाद भारत की विदेश नीति में बड़ा बदलाव आया है। उन्होंने बताया कि भारत अब दुनिया के कई देशों के साथ ज्यादा आत्मविश्वास के साथ संबंध बना रहा है।

विदेश नीति का दायरा पहले से कहीं ज्यादा बढ़ा है। जस्टर ने यह भी कहा कि भारत खुद को एक सभ्यतागत शक्ति के रूप में देख रहा है, जो दुनिया में बड़ी भूमिका निभाना चाहता है। समझिए क्या है इस बयान के मायने? बता दें कि जस्टर का ये बयान ऐसे समय पर सामने आया है, जब भारत और अमेरिका व्यापार समझौते की दिशा में तेजी से बातचीत कर रहा है। ऐसे में इन बयानों से यह संकेत मिलता है कि भारत अपनी वैश्विक भूमिका को मजबूत करना चाहता है।


प्रतापगढ़ ब्यूरो
शरद कुमार श्रीवास्तव
7/31, अचलपुर, प्रतापगढ़

संस्थापक
स्व.कन्हैया लाल
स्व.श्रीमती साधना
सम्पादक
उमेश चंद्र श्रीवास्तव
प्रबन्ध सम्पादक
अरविन्द पाण्डेय
संयुक्त सम्पादक
अनंत श्रीवास्तव
संयुक्त सम्पादक (तकनीकी)
केशव श्रीवास्तव
विधि सलाहकार
कल्पना श्रीवास्तव

शहर समता
स्वामी/प्रकाशक/मुद्रक/सम्पादक उमेश चन्द्र श्रीवास्तव द्वारा कम्पीटेन्ट बिजनेस सर्विसेज, विष्णु पदम कुटीर 115डी/2ई लूकरगंज, इलाहाबाद से मुद्रित कराकर 289/238ए,कर्नलगंज इलाहाबाद से प्रकाशित
सम्पादक
उमेश चन्द्र श्रीवास्तव
मो.नं.9005239332
आर.एन.आई.नं.
यूपीएचआईएन/2004/22466
Email : shaharsamta@gmail.com
इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन ही होंगे।